CMYK

इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति "।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 277 | राजनांदगांव, मंगलवार 25 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

एनडीए के एजेंडे में 'एक देश एक चुनाव' : 2029 से लागू करने की कवायद तेज

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव वाली संसद की जेपीसी यानी संयुक्त संसदीय समिति की बैठक सोमवार को हुई. इस समिति ने देश के पूर्व गृह और वित्त मंत्री पी चिदंबरम को बुलाया था. चिदंबरम ने इस बिल को लोकतंत्र के खिलाफ बताया और समिति को चेताया कि यह बिल कानून के कसौटी पर खरा नहीं उतरता. चिदंबरम की दलील थी कि यदि 2029 में सभी राज्यों और लोकसभा के चुनाव साथ कराए जाएं और उसी चुनाव में केंद्र में किसी को बहुमत नहीं मिला तो क्या होगा?

कांग्रेस कर रही इस बिल का विरोध

चिदंबरम ने यह भी कहा कि सरकार एक साथ चुनाव करा कर खर्च कम करने की बात करती है. लेकिन चुनाव में सरकार की तरफ से कुछ ज्यादा खर्च नहीं किया जाता, जो भी खर्च होता है वो उम्मीदवार करते हैं और उसमें भी सरकार की ओर से दिए गए लिमिट से बहुत अधिक खर्च होता है. सरकार को इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है. अभी नियम के अनुसार एक लोकसभा सीट पर एक उम्मीदवार 95 लाख और एक विधानसभा पर 40 लाख खर्च कर सकता है. कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि इस तरह से चुनाव आयोग को असीमित अधिकार देना लोकतंत्र के लिए सही नहीं होगा. वैसे भी कांग्रेस इस बिल का विरोध कर रही है. जबकि कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी, मनीष तिवारी, रणदीप सुरजेवाला और मुकुल वासनिक सदस्य हैं. आज की बैठक में कमिटी के सामने दिल्ली के कुछ पद्म पुरस्कारों से सम्मानित लोग भी शामिल हुए, जिसमें तरलोचन सिंह, नवीन खन्ना, मीनाक्षी जैन और नीरू कुमार भी थे. इन सभी का कहना था कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव कराना देश हित में है और सरकार को इसे लागू करना चाहिए.अब इस बात की चर्चा जोरों पर है कि एक देश एक चुनाव को सरकार 2029 से ही लागू करना चाहती है. हालांकि इस संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी का कहना है कि उनका काम रिपोर्ट तैयार करना है और यह कब से लागू होगा यह सरकार तय करेगी. यह समिति कई राज्यों का दौरा कर चुकी है और तमाम तरह से लोगों, जिसमें कानून के जानकारों के अलावा अन्य विधाओं के लोगों से भी मुलाकात की है. यह सिलसिला अभी भी जारी है. इस संयुक्त संसदीय समिति ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, कनार्टक, गुजरात, दिल्ली और गोवा जैसे राज्यों का दौरा कर लिया है. जाहिर है इसमें से विपक्ष शासित राज्यों ने इसका विरोध किया है, जिसमें पंजाब, हिमाचल और कनार्टक हैं. यही नहीं 2024 में जब एक देश एक चुनाव का बिल संसद में लाया गया था तब डीएमके जो उस वक्त तमिलनाडु में सरकार में थी ने भी इसका विरोध किया था. लेकिन अब बीजेपी की रणनीति है कि 22 एनडीए शासित राज्यों में एक देश एक चुनाव को लागू किया जाए. इनमें से (शेष पृष्ठ 6 पर...)

भारत-चीन सीमा मुद्दे पर अहम बैठक से पहले चीन का रुख, 'शांति और स्थिरता के लिए मिलकर करेंगे काम'

नई दिल्ली। भारत और चीन सीमा विवाद को लेकर बातचीत जारी रखने पर सहमत हैं। 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता से एक दिन पहले चीन ने कहा कि दोनों देश नेताओं के बीच बनी सहमति की भावना के अनुरूप सीमा मुद्दे पर 'गहन संवाद' जारी रखेंगे। यह वार्ता मंगलवार को बीजिंग में होगी। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) और भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधि अजीत डोभाल दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंच चुके हैं। उन्हें चीन के विदेश मंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य वांग यी ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को बीजिंग में नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि विशेष प्रतिनिधियों की बैठक दोनों देशों के बीच सीमा वार्ता का प्रमुख माध्यम है। यह आपसी चिंता के मुद्दों पर संवाद का भी महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि पिछले साल अगस्त में दोनों देशों ने सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक की थी। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट और गहन विचार-विमर्श किया था तथा कई बिंदुओं पर सहमति बनी थी। लिन जियान के मुताबिक, आगामी बैठक में दोनों देश उस सहमति की भावना के अनुरूप सीमा मुद्दे पर गहन बातचीत जारी रखेंगे। दोनों पक्ष सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा द्विपक्षीय संबंधों और अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

हान झेंग से भी मिलेंगे अजीत डोभाल

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अजीत डोभाल अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात करेंगे। भारत लगातार यह रुख रखता आया है कि सीमा पर स्थिति का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसी महीने कहा था कि भारत ने चीन के साथ बातचीत में हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि (शेष पृष्ठ 6 पर...)

31 आईपीएस अफसरों के तबादले : डीजी से एआईजी स्तर तक अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया गया है। गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 31 अधिकारियों के तबादले की सूची जारी की है। इस तबादला सूची में डीजी से लेकर एआईजी स्तर तक के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पुलिस मुख्यालय में भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। तबादला आदेश के बाद प्रदेश के पुलिस प्रशासन में जिम्मेदारियों का नया बंटवारा किया गया है। अधिकारियों को उनकी नई पदस्थापना के साथ अलग-अलग विभागों और महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी दी गई है।

पवन देव को नगर सेना और अग्निशमन विभाग की कमान

तबादला सूची के अनुसार आईपीएस पवन देव को नगर सेना एवं अग्निशमन विभाग का महानिदेशक बनाया गया है। उन्हें इस महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जीपी सिंह को (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दोबारा दिल्ली मार्च करेगी : कहा- छात्रों पर दर्ज केस खत्म नहीं हुए, हमारे धैर्य को कमजोरी न समझें

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने नीट पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले सीजेपी ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को सीजेपी ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। सीजेपी ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया था।

सीजेपी बोली- वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

सीजेपी नेता सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी स्र्द्धक्रवापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दें। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'चोर दरवाजे से आरक्षण खत्म करने की योजना', मल्लिकार्जुन खड़गे का मोदी सरकार पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकारी नौकरियों में खाली पदों और बढ़ते ठेकेदारी रोजगार को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संविधान में बदलाव किए बिना ही आरक्षण के अवसरों को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। खड़गे ने कहा कि सरकारी पद खाली रखना, सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों को कम करना और स्थायी रोजगार की जगह ठेका व्यवस्था बढ़ाना सामाजिक न्याय के खिलाफ है। खड़गे ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि 2015 में केंद्र सरकार में करीब 4.21 लाख पद खाली थे, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 8.24 लाख हो गई। उन्होंने रेलवे में 2.40 लाख, रक्षा क्षेत्र में 2.41 लाख और गृह (शेष पृष्ठ 6 पर...)

CMYK

महापौर मधुसूदन यादव ने सुबह पेंड्री पहुंचकर लिया सफाई व पेयजल व्यवस्था का जायजा

राजनांदगांव (दावा)। वार्डों में मूलभूत सुविधाओं–बिजली, पानी और साफ-सफाई की जमीनी स्थिति जानने के लिए महापौर मधुसूदन यादव ने नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम के साथ वार्ड क्रमांक 20 पेंड्री का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर ने वार्ड पार्षद कुलेश्वर ध्रुव के साथ पूरे क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

जलभराव निकासी और गड्ढों के समतलीकरण के निर्देश

महापौर ने पेंड्री स्थित आईएचएसडीपी आवास कॉलोनी और रमन बाजार क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पेंड्री ग्रामीण परिवेश से जुड़ा वार्ड है, इसलिए यहां साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। बारिश का पानी जमा न हो, इसके लिए तात्कालिक रूप से कच्ची नाली खोदकर जल निकासी सुनिश्चित की जाए। साथ ही पाइपलाइन विस्तार कार्य का जायजा लेते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि पाइपलाइन बिछाने के बाद खोदे गए गड्ढों को तत्काल समतल किया जाए, ताकि बारिश के दिनों में आवागमन सुगम बना रहे। भ्रमण के दौरान हमर क्लीनिक और बस्ती में स्थानीय नागरिकों द्वारा पेयजल की मांग रखे जाने पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल नल कनेक्शन लगाने के निर्देश दिए।

मुक्तिधाम परिसर में हरियाली लाने सघन पौधारोपण और संरक्षण के दिए निर्देश

मुक्तिधाम में पौधारोपण संग संरक्षण पर जोर

महापौर ने पेंड्री स्थित मुक्तिधाम परिसर का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर को स्वच्छ रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए सघन पौधारोपण करने को कहा। उन्होंने वार्डवासियों से अपील की कि वे पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी लें, ताकि वे विकसित होकर वृक्ष का रूप ले सकें। इस अवसर पर पार्षद मनोहर यादव, नगर निगम के कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा सहित निगम का सफाई व तकनीकी अमला उपस्थित रहा।

पहला कॉलम...

शक्कर की बढ़ती कीमतों पर राजेश कुमार 'चंपू' ने मोदी सरकार को घेरा

कहा- शक्कर के दामों में लगातार बढ़ोतरी महंगाई रोकने में सरकार की नाकामी का प्रमाण

राजनांदगांव (दावा)। देश में शक्कर की बढ़ती कीमतों को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एआईसीसी बिहार आब्जर्वर राजेश कुमार 'चंपू' ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आम जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है और अब शक्कर के दामों में बढ़ोतरी ने घरेलू बजट को और प्रभावित किया है। राजेश कुमार 'चंपू' ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन बाजार में आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। शक्कर जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तु महंगी होने से इसका सीधा असर गरीब, मध्यमवर्गीय और आम परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को आम जनता को राहत देने के लिए शक्कर की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण के ठोस कदम उठाने चाहिए। केवल महंगाई पर बयान देने से काम नहीं चलेगा। बल्कि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक वस्तुएं आम नागरिकों की पहुंच में बनी रहें। राजेश कुमार 'चंपू' ने आरोप लगाया कि शक्कर के दामों में बढ़ोतरी केंद्र सरकार की महंगाई रोकने की नीति की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने केंद्र सरकार से शक्कर सहित सभी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर तत्काल नियंत्रण करने और आम जनता को राहत देने की मांग की।

नर्मदेश्वर शिव मंदिर समिति के देवेंद्र अध्यक्ष, यशवंत साहू होंगे सचिव

सुधीर पंजवानी एवं ध्रुवराज बोरकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष

राजनांदगांव (दावा)। न्यू खंडेलवाल कॉलोनी स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर के संचालन एवं रख-रखाव के दृष्टिकोण से समिति का गठन किया गया है। मंदिर समिति के अध्यक्ष के रूप में देवेंद्र चौबे का मनोनयन किया गया। जबकि सभी की सहमति से सचिव का कार्यभार यशवंत दीपक (साहू) को सौंपा गया।

मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. सूर्यकांत मिश्रा ने बताया कि न्यू खंडेलवाल कॉलोनी में श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव परिवार की स्थापना विधि विधान से तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा के माध्यम से संपन्न हुई। मंदिर के संचालन सहित रख-रखाव की जिम्मेदारी तय करते हुए कॉलोनी वासियों को अवगत कराया गया है। समिति में अध्यक्ष देवेंद्र चौहान, सचिव यशवंत दीपक, सह सचिव गणेश साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर पंजवानी एवं ध्रुवराज बोरकर, कनिष्ठ उपाध्यक्ष मोरध्वज देवांगन एवं बालकृष्ण बघेल, कोषाध्यक्ष गिरीश देवांगन, सह कोषाध्यक्ष योगेश अग्रवाल को बनाया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. सूर्यकांत को बनाया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी में सात लोगों को शामिल किया गया। जिसमें प्रकाश मानकर, जतिंदर सिंह पंधेर, बिसौहाराम साहू, गिरधारीराम साहू, पवन जयसिंघानी, चंद्रशेखर कुम्हारे तथा शैलेष श्रीवास्तव के नाम शामिल हैं।

आज जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की 49वीं वार्षिक साधारण सभा

राजनांदगांव (दावा)। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, राजनांदगांव की 49वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक आज दोपहर 12 बजे गंज लाइन स्थित उदयाचल प्रांगण में आयोजित की गई है। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल करेंगे। बैठक में बैंक के वित्तीय कामकाज, आगामी कार्ययोजनाओं और सहकारिता से जुड़े विभिन्न अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैंक प्रबंधन द्वारा कार्यक्षेत्र की सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों व प्रतिनिधियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर सभा को सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

श्रावण पूर्णिमा पर पेंड्री के राम दरबार मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शहर के वार्ड क्रमांक 20 पेंड्री स्थित श्री राम दरबार मंदिर में श्रावण मास की पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अखंड श्री रामचरितमानस (रामायण) पाठ का भव्य आयोजन किया गया है। आयोजक दुर्गा राम साहू ने बताया कि देवाधिदेव महादेव, माता पार्वती और संकटमोचन हनुमान जी की असीम कृपा से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में मानस की चौपाइयों के साथ श्रद्धा और भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित होगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, माताओं और बहनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पेंड्री के राम दरबार मंदिर पहुंचकर अखंड रामायण पाठ के श्रवण और प्रभु वंदना का पुण्यलाभ अर्जित करें।

SILVER SCREEN MULTIPLEX
21st Aug to 25th Aug 2026

Insidious Out Of The Further (Hindi 2D) - 03:30 and 09:30 pm
Awarapan 2 - 12:00, 12:15, 03:00, 06:00, 06:15 and 09:00 pm
Batwara 1947 - 03:15 and 09:15 pm
Spider Man Brand New Day (Hindi 2D) - 12:30 and 06:30 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G)
Only For Enquiry 8085600200

श्री कृष्णा (एयरकूल) में
छत्तीसगढ़ी
रोजाना 04 खेल में
समय:- 12, 3, 6 व रात 9 बजे
मया के जादू चलगे

टिकट दर बालकनी 100/-
ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पदमुक्त करने की मांग : अरसीटोला के ग्रामीणों ने की कलेक्टर से मुलाकात

कार्यप्रणाली और अनियमितताओं से नाराज ग्रामीणों को कलेक्टर ने दिया 7 दिनों का आश्वासन

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम पंचायत कोकपुर के आश्रित ग्राम अरसीटोला के आंगनबाड़ी केंद्रों में पदस्थ कार्यकर्ताओं की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरपंच अन्नपूर्णा सिन्हा एवं ग्राम समिति अध्यक्ष लोकचंद मंडावी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर दोनों कार्यकर्ताओं को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त करने की मांग दोहराई।

अनियमितता का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में पदस्थ कार्यकर्ता श्रीमती रत्नकला धनकर एवं केंद्र क्रमांक 2 की कार्यकर्ता श्रीमती सरिता कुंजाम के कार्यों में लगातार कई अनियमितताएं पाई गई हैं। ग्रामीण उनके कार्य व व्यवहार से कतई संतुष्ट नहीं हैं। पोषण आहार वितरण और केंद्र के नियमित संचालन में लापरवाही को लेकर पूर्व में भी ग्रामीणों ने प्रशासन को लिखित ज्ञापन सौंपकर इन्हें हटाने की मांग की थी।

पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन के आधार पर जिला कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों को चर्चा हेतु बुलाया गया था। कलेक्टोरेट पहुंचे ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के समक्ष अपनी पूरी बात रखी और शीघ्र कार्रवाई की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने जांच व उचित निराकरण के लिए 7 दिन का समय दिया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आगे की रणनीति बनाने को बाध्य होंगे।

लोक गायक व संचालक तिलक राजा साहू को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

राजनांदगांव (दावा)। लोक सांस्कृतिक मंच 'लोक धारा' (रायपुर) के संचालक तिलक राजा साहू को लोक गायन, लोक कला एवं छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन, दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।

नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में हुआ सम्मान

नई दिल्ली के वजीरपुर स्थित प्रॉयल पेपर बैंक्वेट हॉल (कृष) में 23 अगस्त को आयोजित गरिमामय समारोह के दौरान बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध अभिनेता बिंदू दारा सिंह ने तिलक राजा साहू को यह मानद उपाधि भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में देश भर से कला एवं संस्कृति जगत के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि तिलक राजा साहू राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के मूल निवासी हैं। उन्होंने अपनी लोक कला और गायन से अंचल सहित पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। हाल ही में नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में उन्होंने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए मनमोहक छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी थी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर खूब सराहा गया था। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के कला प्रेमियों और सामाजिक जनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

लखोली वार्ड में महापौर मधुसूदन यादव को जन्मदिन की बधाई देने उमड़ा जनसैलाब

राजनांदगांव (दावा)। शहर के लखोली में स्थानीय पार्षदों द्वारा आयोजित समारोह में महापौर मधुसूदन यादव का स्वागत बाजे-गाजे और शानदार आतिशबाजी के बीच किया गया। वार्डवासियों के उपस्थिति में केक काटकर जन्मदिन की बधाई दी गई। इस अवसर पर महापौर को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में लखोली के पार्षदगण डीलेश्वर साहू, गिरिजा संतोष निर्मलकर, संतोष साहू, चंद्रिका साहू एवं रीना सिन्हा ने फूल-मालाएं व गुलदस्ता भेंटकर आत्मीय स्वागत किया।

विहिप-बजरंग दल के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 144 लोगों का हुआ इलाज, डॉक्टरों की टीम ने दी सेवाएं

राजनांदगांव (दावा)। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल राजनांदगांव और स्व. घेवरचंद डाकलिया की स्मृति में अरिहंत मेडिकोज (सुरेंद्र डाकलिया) एवं डॉ. कुमुद मोहबे मेमोरियल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन में आयोजित इस शिविर में शहर के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पहुंचकर मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर का शुभारंभ चिकित्सकों एवं संगठन के पदाधिकारियों द्वारा भारत माता एवं भगवान श्रीराम दरबार के चित्र पर पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान 144 महिला, पुरुष और बच्चों का निःशुल्क इलाज कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी बांटी गईं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं

शिविर में प्रमुख रूप से डॉ. सौरभ मोहबे, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. चिन्मय डाकलिया, डॉ. स्मिता रेड्डी मोहबे और डॉ. आयुष अग्रवाल ने अपनी सेवाएं दीं। डॉक्टरों ने मरीजों का बारीकी से परीक्षण किया और मौसम संबंधी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरिहंत मेडिकोज के सुरेंद्र डाकलिया, एमआर एसोसिएशन के योगेंद्र ठाकरे, आशीष सिन्हा, विशाल टांडेकर, पंकज निर्मलकर, दीपक सिन्हा, युवराज सिन्हा, कुंदन कुमार और यशवंत साहू का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के प्रांत विभाग, जिला व नगर स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि समाज सेवा और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के आयोजन आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

ग्राम पंचायतों एवं नगर निगम के वार्डो में मोबाइल कैंप का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एसओपी अंतर्गत जिले के नगरीय निकायों के वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। मोबाईल कैम्प के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र आवेदक को योजनाओं से लाभान्वित करने आवेदन प्राप्त किए जा रहे है। इसी क्रम में आज डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत भटगुना, छुरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत पाटेकोहरा, डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत ईरईखुर्द एवं मुसराकला तथा नगर निगम राजनांदगांव के राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 11 में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक नरेन्द्र भुआर्य आ. रघुनाम भुआर्य जाति- हल्बा निवासी ग्राम- केकतीटोला, मकान नं. 26, वार्ड नं. 03, तह. अं.चौकी, जिला मोहला-मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.) पिन नं. 491665 की निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्र के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर गुलशन कुमार भुआर्य Golshan Kumar Bhuarya अंकित है, उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्र के नाम से जारी जन्मप्रमाण व अन्य कागजातों में नाम के स्थान गुलशन कुमार भुआर्य GULSHAN KUMAR BHUARYA अंकित है, उक्त नाम सही है। इसलिए आधार कार्ड में गुलशन कुमार भुआर्य Golshan Kumar Bhuarya अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर गुलशन कुमार भुआर्य GULSHAN KUMAR BHUARYA अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान- अं. चौकी, दिनांक- 19/08/2026

आवेदक
नरेन्द्र भुआर्य
निवासी- ग्राम केकतीटोला
तह. अं. चौकी, जिला-मो. मा., अं. चौकी

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक मनेश कुमार यादव पिता- रामकिशन यादव जाति- यादव निवासी ग्राम- जोरातराई, तह. अं.चौकी, जिला मोहला-मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.) पिन नं. 491668 की निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर DULESHWARI YADAV दुलेश्वरी यादव अंकित है, उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्री के नाम से जारी जन्मप्रमाण व अन्य कागजातों में नाम के स्थान TULESHWARI YADAV टुलेश्वरी यादव अंकित है, उक्त नाम सही है। इसलिए आधार कार्ड में DULESHWARI YADAV दुलेश्वरी यादव अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर TULESHWARI YADAV टुलेश्वरी यादव अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान- अं. चौकी, दिनांक- 24/08/2026

आवेदिका
मनेश कुमार यादव
निवासी- ग्राम जोरातराई
तह. अं. चौकी, जिला मो. मा. अं. चौकी

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका शशि पति- स्व. डोमनसिंह जाति- गोंड निवासी ग्राम- बुटाकसा, मकान नं. 78, वार्ड नं. 05, तह. अं.चौकी, जिला-मोहला मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.) पिन नं. 491665 की निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर Kumari Tamanna Korram कुमारी तमन्ना कोर्राम अंकित है, उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्री के नाम से जारी अंक सूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान Tamanna तमन्ना अंकित है, उक्त नाम सही है। इसलिए आधार कार्ड में Kumari Tamanna Korram कुमारी तमन्ना कोर्राम अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर Tamanna तमन्ना अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान- अं. चौकी, दिनांक- 11/08/2026

आवेदिका
शशि
निवासी- ग्राम बुटाकसा
तह.-अं. चौकी, जिला मो. मा. अं. चौकी

समक्ष :- कार्यपालिका दण्डाधिकारी महोदय, खैरागढ़, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंद्रेश कुमार खुटेरे आ. राजूलाल खुटेरे निवासी शहर ग्राम विचारपुर प.ह.नं..... तहसील खैरागढ़, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.) पुत्र/पुत्री/ माता/ पिता/अन्य स्वयं चंद्रेश कुमार खुटेरे आ. राजूलाल खुटेरे जन्म प्रमाण पत्र की मांग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में जन्म दिनांक 26/04/1998 का स्थान विचारपुर पर होना बताया जाकर जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो वे सुनवाई तिथि 07/09/2026 लिखित में स्वयं/अथवा किसी अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 20/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 20/8/2026
सुनवाई दिनांक 07/09/2026

कार्यपालिका दण्डाधिकारी
खैरागढ़ (छ.ग.)

समक्ष :- कार्यपालिका दण्डाधिकारी महोदय, खैरागढ़, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोंगरा खुटेरे आ. राजूलाल खुटेरे निवासी शहर/ग्राम विचारपुर. प.ह.नं..... तहसील खैरागढ़, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.) पुत्र/पुत्री/ माता/ पिता/अन्य स्वयं मोंगरा खुटेरे आ. राजूलाल खुटेरे जन्म प्रमाण पत्र की मांग की गई है। उपरोक्त पर आवेदन पत्र इस न्यायालय में जन्म दिनांक 10/01/1995 को स्थान विचारपुर पर होना बताया जाकर जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो वे सुनवाई तिथि 07/09/2026 लिखित में स्वयं अथवा किसी अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 20/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 20/8/2026
सुनवाई दिनांक 07/09/2026

कार्यपालिका दण्डाधिकारी
खैरागढ़ (छ.ग.)

NAME CHANGE

IT IS INFORMED TO THE GENERAL PUBLIC THAT I, HEMRAY S/O LET. SHRI DUKALU VERMA RESIDENT OF VILLEGE POST SALAUNI, TEHSIL KHAIRAGARH, DIST. KHAIRAGARGH-CHHUIKHADAN-GANDAI (C.G.) HAVE CHANGED MY OLD NAME HEMRAY S/O LET. SHRI DUKALU VERMA, SO IN FUTURE I SHOULD BE RECOGNIZED BY MY NEW NAME THAT IS HEMRAY VERMA S/O LET. SHRI DUKALU VERMA. IN ALL GOVERNMENT AND OTHER DOCUMENTS.

HEMRAY VERMA
S/O LET. SHRI DUKALU VERMA
VILLEGE POST - SALAUNI,
TEHSIL KHAIRAGARH,
DIST. KHAIRAGARGH-
CHHUIKHADAN-GANDAI (C.G.)

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
1-4-8
668-0 449-7
राजधानी
3-5-8
360-9 790-6

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

कार्यालय संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

क्रमांक/5263/रख-रखाव/2026 राजनांदगांव, दिनांक - 21/08/2026

सायकल स्टैण्ड निविदा (द्वितीय) वर्ष 2026-27

भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव परिसर में संचालित सायकल स्टैण्ड संचालन हेतु निविदा (द्वितीय) वर्ष 2026-27 आमंत्रित किया गया है, जिस हेतु इच्छुक फर्म/व्यक्ति/संस्था समूह से निम्नानुसार निविदा आमंत्रित किया जाता है।

नियम व शर्तो का अवलोकन कार्यालय समयावधि में कक्ष क्र. 21 में किया जा सकता है।

1	अमानती राशि	10,000/- रूपये
2	निविदा फार्म की राशि	1000/-(वापसी योग्य नहीं)
3	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 01.09.2026 अपरान्ह 05 बजे तक
4	निविदा जमा की अंतिम तिथि	दिनांक 03.09.2026 दोपहर 12 बजे तक
5	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 03.09.2026 दोपहर 01 बजे कक्ष क्र. 26

संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

जी- 262702922/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.198147/निविदा सूचना क्र. 03/व.ले.लि./2026-27 कवर्धा दि. 24.08.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 15.09.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम- कबीरधाम जिले के विकासखण्ड सहसपुर लोहारा की सुतियापाट जलाशय मध्यम परियोजना के अंतर्गत बांयी नहर के आर.डी 0 मीटर से आर.डी. 3150 मीटर तक मिट्टी कार्य के साथ आर.सी.सी. ओपन चैनल का निर्माण, 06 नग व्ही.आर.बी. एवं 09 नग फाल तथा कोलाबा पाईप लगाने सहित निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 282.72 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 31.08.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)

जी- 262702943/3

महापौर मधुसूदन यादव व पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने किया विकास कार्यो का निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। राज्य शासन के अधोसंरचना मद के अंतर्गत नगर में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने महापौर मधुसूदन यादव और पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने गौरव पथ में निर्माणाधीन नालंदा परिसर और जल निकासी के लिए बनाए जा रहे नालों के निर्माण कार्य की समीक्षा की तथा अधिकारियों को तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

नालंदा परिसर एवं नाला निर्माण में तेजी लाने के दिए निर्देश, समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण काम पूरा करने पर जोर

500 सीटर अत्याधुनिक लाइब्रेरी से संवरेगा छात्रों का भविष्य

गौरव पथ स्थित नालंदा परिसर का निरीक्षण करते हुए महापौर ने तकनीकी अधिकारियों से निर्माण कार्य की बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को अध्ययन की बेहतर सुविधा देने के लिए 500 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण भूतल एवं प्रथम तल में किया जा रहा है। इसमें क्लासरूम, रीडिंग जोन, समृद्ध पुस्तकालय, कैंटीन, व्यवस्थित पार्किंग, जलनिकासी नाली और बाउंड्रीवाल की सुविधाएं होंगी। नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने अवगत कराया कि प्रथम तल पर स्लैब कास्टिंग का कार्य जारी है तथा भूतल पर पार्टीशन हेतु ईंट जुड़ाई का काम चल रहा है। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कहा कि यह परियोजना युवाओं के भविष्य को संवारने वाली है, अतः इसका निर्माण पूरी गुणवत्ता और शासन की मंशा के अनुरूप होना चाहिए।

जलभराव से निजात दिलाने नार कन्हैया नाला निर्माण में तेजी के निर्देश

महापौर व पूर्व सांसद ने गौरव पथ रोड पर समता भवन के पास बन रहे नार कन्हैया नाला निर्माण का भी मुआयना किया। महापौर ने निर्देशित किया कि क्षेत्र में जलभराव रोकने के लिए नाले के ढाल (लेवल) का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि पानी की सुगम निकासी हो सके। साथ ही इंदिरा नगर में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राजीव नगर नाले को बसंतपुर होते हुए गोकुल नगर नाले से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री स्व. लीलाराम भोजवानी जी स्मृति द्वार निर्माण की प्रगति देखी और सेंट्रिंग की अवधि की जानकारी ली। महापौर ने निर्देशित किया कि निर्माण के चलते जो मार्ग अवरुद्ध हुआ है, उसे जल्द से जल्द आवागमन के लिए सुचारू रूप से खोला जाए ताकि आम नागरिकों को सुविधा हो। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ केश शिल्प कल्याण बोर्ड के सदस्य देवशरण सेन, क्षेत्रीय पार्षद सतीश साहू, अरुण साहू, पार्षद मनोहर यादव, पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव सहित नगर निगम के तकनीकी अधिकारी व निर्माण अमला उपस्थित रहा।

सावन उत्सव में दिखी संस्कृति संग परंपरा की झलक

राजनांदगांव (दावा)। देवांगन समाज की तुलसीपुर-ममतानगर इकाई की महिलाओं द्वारा पूनम कॉलोनी स्थित श्री गणेश मंदिर परिसर में सावन झूला महोत्सव का गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों और आभूषणों से सजी महिलाओं ने सावन के झूले का आनंद लिया तथा लोकगीतों के माध्यम से अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को जीवंत कर सामाजिक एकता की मिसाल पेश की।

देवांगन समाज की महिलाओं ने पारंपरिक गीतों और खेलकूद के साथ लिया झूले का आनंद

माता परमेश्वरी की पूजा-अर्चना से हुई शुरुआत

कार्यक्रम का शुभारंभ समाज की आराध्य कुलदेवी माता परमेश्वरी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पूजा के पश्चात विधि-विधान से सर्वप्रथम माता परमेश्वरी को झूला झुलाया गया। इसके बाद समाज की महिलाओं ने बारी-बारी से झूला झूलकर सावन उत्सव का आनंद उठाया। आयोजन स्थल पूरे समय पारंपरिक सावन गीतों, भजनों और हंसी-उल्लास से गुंजायमान रहा।

मनोरंजक खेल और प्रतियोगिताओं का आयोजन

महोत्सव के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपस्थित महिलाओं ने कहा कि ऐसे पारंपरिक आयोजनों से समाज की महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने, संवाद बढ़ाने और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध लोक-संस्कृति से परिचित कराने का बेहतर अवसर मिलता है। आयोजन में महिला मंडल अध्यक्ष कामेश्वरी देवांगन, सचिव हीरा देवांगन, कोषाध्यक्ष प्रीति देवांगन, उपाध्यक्ष दीपा देवांगन सहित वरिष्ठ प्रकोष्ठ से अंजू, चित्ररेखा, मंजू, पार्वती, लीला, रीना देवांगन एवं बड़ी संख्या में सामाजिक महिलाएं उपस्थित रहीं।

अभिलाषा के दिव्यांग बच्चे शामिल हुए शिक्षा संस्कार संदेश की बागेश्वर धाम कांवड़ यात्रा में

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी में सावन मास के अंतिम सोमवार के उपलक्ष्य में श्री बागेश्वर धाम मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा भव्य एवं शिक्षाप्रद कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के साथ 'अभिलाषा सेवा संस्था' के दिव्यांग बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। उच्च शिक्षा व संस्कार जागरण का संदेश देती इस अनूठी कांवड़ यात्रा का नगरवासियों ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया।

अभिषेक सिंह व मधुसूदन यादव ने किया स्वागत, उच्च शिक्षा जागरण की आकर्षक झांकी रही आकर्षण का केंद्र

आकर्षक झांकी और शिक्षा संदेश पट्टिका बनी आकर्षण

मंदिर सेवक पंकज गुप्ता एवं सौरभ गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष तैयारी की गई थी। बागेश्वर धाम बाल सेना के प्रांजल गुप्ता, अभिनव गुप्ता, शुभ, शिवांश, वंश एवं अनुज गुप्ता हाथों में शिक्षा संदेश की पट्टिकाएं थामे चल रहे थे। अभिलाषा संस्था के दिव्यांग बच्चों ने भी हाथों में तख्तियां लेकर समाज को शिक्षा और संस्कार का संदेश दिया। यात्रा में नंदी पर विराजमान भगवान शिव द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की जीवंत झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

नंदई चौक पर हुआ पुष्पवर्षा से स्वागत

ग्राम नंदई चौक पर पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर मधुसूदन यादव और कोमल सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया। ट्रस्ट द्वारा महापौर मधुसूदन यादव को उनके जन्मदिवस की बधाई भी प्रेषित की गई। कांवड़ यात्रा के मंदिर पहुंचने के पश्चात भगवान आशुतोष का विधिवत जलाभिषेक किया गया। इसके बाद दिव्यांग बच्चों व कांवड़ यात्रियों ने सामूहिक रूप से भगवान शिव की महाआरती की। ट्रस्ट के सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों को उपहार व प्रसादी देकर विदा किया। यात्रा की व्यवस्था में विजय गुप्ता, सूरज गुप्ता, भावेश अग्रवाल, प्रतीक गुप्ता, राज, अनमोल व अजय गुप्ता का विशेष योगदान रहा। ट्रस्ट के संरक्षक सोहनलाल गुप्ता, कैलाश चंद गुप्ता, डी.सी. जैन, शारदा तिवारी एवं गणेश गुप्ता ने इस सफल आयोजन के लिए सभी शिवभक्तों का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी मंदिर सेवक सौरभ गुप्ता द्वारा दी गई।

सरस्वती शिशु मंदिर में श्री तुलसीदास जयंती धूमधाम से मनाई

डोंगरगढ़ (दावा)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगढ़ में श्री तुलसीदास जयंती धूमधाम से बनाया गया इस अवसर पर मंच पर प्राचार्य प्रकाश यादव वरिष्ठ आचार्य सुरेश दास वैष्णव थैलेश साहू बोधन भारद्वाज आदि उपस्थित थे। पूजा अर्चना से कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के भैया बहनों ने दोहा कविता गीत भाषण जीवन परिचय आदि प्रस्तुत किया है। जिसमें मोहित, तोषित, लीलाधर वर्मा, देशांतर देवांगन, मान्यता एवं साक्षी इशिका चेलक, द्रोणी सिंहा, रेशम पटेल आदि वरिष्ठ आचार्य थैलेश साहू ने तुलसीदास जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। प्रकाश यादव ने तुलसी दास जी को महान कवि कहा एवं उनके शिक्षा को अपने जीवन में उतारने की बात कही।

शराब के लिए पैसे न देने पर ऑटो चालक पर रॉड से हमला, आदतन बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। सिटी कोतवाली पुलिस ने गुड़ाखू लाइन चौक क्षेत्र में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर एक ऑटो चालक के साथ मारपीट करने वाले आदतन बदमाश को धर दबोचा है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

सवारी के इंतजार में खड़े चालक से की पैसों की मांग

कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार शाह ने बताया कि घटना 23 अगस्त (रविवार) दोपहर लगभग 3 बजे की है। प्रार्थी (ऑटो चालक) गुड़ाखू लाइन चौक में अपना ऑटो खड़ा कर सवारी का इंतजार कर रहा था। तभी संजय बांसफोड़ नामक युवक वहां पहुंचा और अश्लील गाली-गलौज करते हुए कहा कि 'बहुत पैसा कमा रहे हो।' उसने शराब पीने के लिए 200 रुपये की मांग की। जब प्रार्थी ने पैसे देने से मना किया, तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट की और वहां से भाग निकला।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 460/26 के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2) एवं 119(1) के तहत मामला दर्ज किया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने त्वरित पतासाजी कर आरोपी संजय बांसफोड़ (25 वर्ष), पिता स्व. रंगलाल बांसफोड़, निवासी बीएनसी मिल चाल, बलदेवबाग को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्टीलनुमा रॉड जब्त कर ली। पर्याप्त सबूतों के आधार पर 24 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल दाखिल कर दिया गया है।

महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त से श्रीमती प्रिया पाण्डेय की रक्षाबंधन की खुशियां हुई दोगुनी

राजनांदगांव (दावा)। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिल रही नियमित आर्थिक सहायता उनके परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राजनांदगांव निवासी श्रीमती प्रिया पाण्डेय के लिए भी योजना की 30वीं किस्त रक्षाबंधन के पर्व पर विशेष खुशी लेकर आई। उन्होंने योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग रक्षाबंधन की तैयारियों में किया और इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रीमती प्रिया पाण्डेय ने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ समय पर स्वास्थ्य जांच और आवश्यक देखभाल के लिए प्रेरित किया जा रहा है। योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहूलियत मिल रही है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर महतारी वंदन योजना की किस्त से उन्हें काफी मदद मिली। इस राशि से उन्होंने त्योहार की तैयारियां की और अपने परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व खुशी से मनाएंगी। उन्होंने योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के हित में संचालित यह योजना उनके लिए आर्थिक संबल का माध्यम बनी है।

श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनके स्वास्थ्य और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रही है। श्रीमती प्रिया पाण्डेय ने कहा कि महतारी वंदन योजना से हमें आर्थिक सहायता के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी मिली है। रक्षाबंधन के अवसर पर मिली किस्त से त्योहार की तैयारियां अच्छे से कर पाई। इसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार का हृदय से आभार व्यक्त की।

आज सोलर क्रांति के लिए रॉयल सोलटेरा का भव्य शुभारंभ

राजनांदगांव (दावा)। बढ़ते बिजली बिल से स्थायी मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सौर ऊर्जा एक सशक्त और प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। इसी कड़ी में संस्कारधानी में 'रॉयल सोलटेरा' नवीन कलेवर, अत्याधुनिक तकनीक और सोलर आधारित नए उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला के साथ अपने प्रतिष्ठान का भव्य शुभारंभ करने जा रहा है।

प्रतिष्ठान का शुभारंभ पूर्व मंत्री व विधायक अनिला भेड़िया, विधायक दलेश्वर साहू, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष व बालोद विधायक संगीता सिन्हा, विधायक भोलाराम साहू, महापौर मधुसूदन यादव, विधायक इंद्रशाह मांडवी, विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा, विधायक कुंवर सिंह निषाद, विधायक हर्षिता स्वामी बघेल एवं एबिस के वाईस प्रेसिडेंट रिजवान खान के गरिमामय आतिथ्य में संपन्न होगा।

सब्सिडी का लाभ और त्वरित सेवा का संकल्प

रॉयल सोलटेरा के संचालक आर्किटेक्ट मुख्तार खान एवं शाहिद भाई ने बताया कि सोलर सिस्टम स्थापना पर शासन द्वारा दी जा रही सब्सिडी का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को दिलाना उनकी प्राथमिकता है। संस्थान द्वारा देश-विदेश की शीर्ष और प्रतिष्ठित कंपनियों के उच्च गुणवत्तायुक्त सोलर पैनल्स व उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिक्री के साथ-साथ उपभोक्ताओं को त्वरित व विश्वसनीय आफ्टर-सेल्स सर्विस प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। प्रारंभिक चरण में ही शहरवासियों और व्यवसायियों से इस पहल को सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है।

स्कूल परिसर में जलभराव से बच्चों की सुरक्षा पर संकट : उज्ज्वल निर्मलकर

प्राथमिक शाला खपरीकला में जल निकासी की मांग को लेकर एनएसयूआई ने शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय प्राथमिक शाला खपरीकला में बारिश के दौरान स्कूल परिसर में लगातार हो रहे जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष एवं खपरीकला के उपसरपंच उज्ज्वल निर्मलकर के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से स्कूल परिसर में तत्काल जल निकासी की उचित व्यवस्था करने तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की गई है।

परिसर में पानी भरने से नौनिहालों का आवागमन दूभर

उज्ज्वल निर्मलकर ने बताया कि बारिश के दिनों में प्राथमिक शाला का पूरा परिसर जलमग्न हो जाता है। इसके चलते विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने और परिसर में आवाजाही करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। परिसर में लगातार गंदे पानी के जमावड़े से मासूम बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

छात्रहित की समस्याओं पर संज्ञान ले विभाग : नेहा वैष्णव

एनएसयूआई प्रदेश सचिव नेहा वैष्णव ने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा उपलब्ध कराना शासन व संबंधित शिक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्कूल परिसर में जलभराव जैसी संवेदनशील समस्या को कतई नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। विभाग को इस पर तत्काल संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रहित से जुड़े मुद्दों पर एनएसयूआई निरंतर मुखर रहेगी और समाधान के लिए हर स्तर पर आवाज उठाएगी। इस दौरान एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष मोनू मांडवी, लोमश, सुमित साहू, पुन्ननंद चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भरोसा टूटा तो जीवन आसान नहीं : श्रेयांशप्रभ जी

कसम भी भरोसा ही है, परमात्मा और रिश्तों पर विश्वास बनाए रखें

राजनांदगांव (दावा)। खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन (जैन बगीचा) में आयोजित नियमित चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला के दौरान कहा कि जीवन में कभी भी विवाद या झगड़े की शुरुआत नहीं करनी चाहिए, लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि हम गलत का साथ दें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति भरोसे के बल पर ही जीता है। यदि परमात्मा और स्वयं पर से भरोसा टूट जाए, तो जीवन जीना अत्यंत कठिन हो जाता है।

शक से खत्म होता है भरोसा

मुनि श्री ने कहा कि हर आत्मा में परमात्मा का वास होता है, इसलिए ईश्वर पर अटूट विश्वास रखें और इसे कभी खंडित न होने दें। जब हम किसी पर विश्वास करते हैं, तो वहां शक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। गलतफहमी और भरोसे के बीच की सबसे घातक कड़ी 'शक' है। यदि मन में कोई संदेह उत्पन्न हो, तो खुलकर बातचीत कर उसे तुरंत दूर कर लेना चाहिए। संदेह के साये में रहकर किसी के साथ भी स्वस्थ संबंध नहीं निभाए जा सकते।

सकारात्मक सोच और बच्चों से संवाद जरूरी

उन्होंने कहा कि संसार में रहते हुए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम किसी के प्रति बुरा विचार नहीं लाएंगे। किसी के प्रति गलत सोचना वास्तव में परमात्मा के प्रति गलत सोचने जैसा है। मुनि श्री ने अभिभावकों को सीख देते हुए कहा कि बच्चों के प्रति मन में कभी शक को पनपने न दें। यदि कोई शंका हो, तो बच्चों से सीधे और प्रेमपूर्वक संवाद स्थापित कर उसका तत्काल समाधान निकालें। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

तुमड़ीबोड़ पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने वाले आरोपी को भेजा जेल

राजनांदगांव (दावा)। क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से तुमड़ीबोड़ चौकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उपद्रव करने और विवाद पर उतारू आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है।

जांच के दौरान पिता व प्रार्थी से उलझने लगा आरोपी

चौकी प्रभारी धनीराम नारंगे ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 24 अगस्त को ग्राम धौराभांठा में एक प्रार्थी की शिकायत की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान ही आरोपी भानुप्रताप साहू (24 वर्ष), पिता हेमन दास साहू, निवासी धौराभांठा, अचानक प्रार्थी और अपने ही पिता हेमन दास साहू से अकारण वाद-विवाद करने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस बल द्वारा आरोपी को काफी समझाइश दी गई, किंतु वह नहीं माना और लगातार आक्रामक व्यवहार करता रहा। स्थिति को देखते हुए किसी संज्ञेय अपराध के घटित होने की प्रबल आशंका के मद्देनजर पुलिस ने आरोपी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत तत्काल गिरफ्तार कर लिया। इसके उपरांत लोक शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु उसके विरुद्ध धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगासा तैयार कर अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जिला जेल दाखिल करा दिया गया।

नंदईवासियों ने किया कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत

राजनांदगांव (दावा)। पावन सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर नंदई चौक में कांवड़ यात्रियों का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वार्ड पार्षद सतीश साहू, पार्षदगण अरुण साहू, विजय रॉय, नादान सेन, मनोहर यादव, राजा माखीजा, राजेश यादव, दुर्रेंद्र साहू, भाजयुमो जिलाध्यक्ष चिंटू सोनकर, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा गायकवाड़, भाजपा शहर दक्षिण मंडल अध्यक्ष गोलू गुप्ता, पूर्व पार्षद नमिताभ जैन 'बंटी', नामांकित पार्षदद्वय श्रीमती करुणा राजपूत एवं श्रीमती मधु यादव, समाजसेवी श्रीमती चंद्रिका यादव, समाजसेवी डॉ. डीसी जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा की एवं 'बम बम, बोल बम', 'हर हर महादेव' के जयघोष के साथ स्वागत किया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिव भक्तिमय नजर आया। इस पावन अवसर पर सभी ने भगवान भोलेनाथ से सुख, शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगलकामना की।

श्रद्धालुओं की आस्था, उमंग और भक्ति से संपूर्ण नंदई चौक हुआ शिवमय

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

TRD एसेट्स की जिओ-स्पेशियल मैपिंग, अवस्था का आकलन के लिए ई-निविदा

निविदा सूचना सं.: TRD_NAG_Tender_26-27_21 दिनांक: 17.08.2026

कार्य का नाम: नागपुर मंडल के TRD एसेट्स की जिओ-स्पेशियल मैपिंग और एसेट्स की अवस्था का आकलन।

निविदा मूल्य: ₹ 68,99,464/-,

बयाना राशि: ₹ 1,38,000/-,

इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि (ऑन-लाइन): दिनांक 08.09.2026 के 15:00 बजे तक।

उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता - TRD, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

AIM/38-95

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

अनमोल दावा

किसी का सीधा स्वभाव उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसके संस्कार होते हैं।

सम्पादकीय

सड़क पर बेजुबानों का संहार : आदेशों से आगे जवाबदेही की दरकार

राजनांदगांव के बसंतपुर क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक से कुचलकर एक दर्जन से अधिक मवेशियों की दर्दनाक मौत कोई आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि व्यवस्थागत अनदेखी का खूनी परिणाम है। रात के अंधेरे में हाईवे के डामर पर बेसहारा गोवंश का पसरा होना और तेज गति से दौड़ते भारी वाहन, यह वह खतरनाक स्थिति है जो न केवल मूक पशुओं के लिए काल बन रही है, बल्कि वाहन चालकों की जिंदगी को भी लगातार दांव पर लगा रही है।

हादसे के बाद जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी (एनएचएआई) और काऊ-कैचर टीमों को 24 घंटे गश्त, जिम्मेदार एजेंसियों की जानकारी तलब करने, हाई-मास्ट लाइटें दुरुस्त करने और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा संकेतक लगाने के सख्त निर्देश दिए हैं। प्रशासनिक सक्रियता का यह रुख निसंदेह जरूरी है, किंतु मूल प्रश्न यही बना रहता है कि आखिर ऐसी सख्ती के लिए हमेशा किसी बड़े हादसे का ही इंतजार क्यों किया जाता है?

सड़क पर आवारा पशुओं की समस्या का समाधान केवल तात्कालिक अभियानों और बैठकों के आदेशों में नहीं तलाशा जा सकता। इसके लिए एक स्थायी, बहुस्तरीय और कड़े नीतिगत तंत्र की आवश्यकता है।

24×7 निगरानी और सीधी जवाबदेही : हाईवे और प्रमुख मार्गों पर काऊ-कैचर दलों की राउंड-द-क्लॉक सक्रियता अनिवार्य हो। यदि किसी चिन्हित क्षेत्र में पशुओं का जमावड़ा मिलता है, तो संबंधित एजेंसी और ठेकेदार पर सीधे आर्थिक दंड व कार्रवाई तय की जाए।

पशुपालकों का दायित्व :- दिन में उपयोग के बाद रात में मवेशियों को सड़कों पर लावारिस छोड़ने वाले पशुपालकों की पहचान कर उन पर भारी जुर्माना और दंडात्मक प्रावधान लागू किए जाएं।

सक्रिय गौठान व शेल्टर व्यवस्था :- सड़कों से हटाए गए गोवंश को सिर्फ इधर-उधर करने के बजाय पर्याप्त चारे-पानी से युक्त सुरक्षित शेल्टर होम, कांजी हाउस या सक्रिय गौठानों में पहुंचाने की पुख्ता व्यवस्था हो।

हाईवे सुरक्षा बुनियादी ढांचा :- निर्माण और चौड़ीकरण वाले संवेदनशील हिस्सों में रिफ्लेक्टर, बैरिकेडिंग, प्रॉपर विजिबिलिटी और दुरुस्त प्रकाश व्यवस्था को सड़क सुरक्षा का अनिवार्य मानक बनाया जाए।

राजनांदगांव की यह घटना सड़क सुरक्षा और पशु संरक्षण दोनों मोर्चों पर एक गंभीर चेतावनी है। यदि जारी किए गए कड़े प्रशासनिक निर्देशों को निरंतर निगरानी और स्थायी व्यवस्था में नहीं बदला गया, तो यह तत्परता भी पूर्व के अभियानों की तरह फाइलों तक सिमट कर रह जाएगी। वक्त आ गया है कि औपचारिक खानापूर्ति से बाहर निकलकर व्यवस्था की लापरवाही पर विराम लगाया जाए।

फोटो ऑफ डे

युवा शक्ति : विकसित भारत की सबसे बड़ी पूंजी

प्रो. मनोज डोगरा

भारत को यदि युवा देश कहा जाता है तो भारत इसके पीछे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवंत शक्ति है, जो देश की दिशा और दशा बदलने की क्षमता रखती है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा, रचनात्मकता, साहस और परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तकनीक जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है और रोजगार के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन हो रहा है, तब युवाओं की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत के संदर्भ में, देश की यह जनसांख्यिकीय शक्ति भारत को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कराने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। लेकिन केवल बड़ी संख्या में युवाओं का होना पर्याप्त नहीं है। आवश्यक है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य, खेल और अपनी प्रतिभा को विकसित करने के उचित अवसर उपलब्ध हों।

आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाला उद्यमी भी बन सकता है। स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कृषि तकनीक, ऑनलाइन शिक्षा और नए व्यवसायों के क्षेत्र में युवाओं के लिए अनेक संभावनाएं पैदा हुई हैं। भारत के अनेक युवा अपनी प्रतिभा के बल पर देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। जरूरत है कि ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं को भी इन अवसरों से जोड़ा जाए।

हालांकि बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव, कौशल और रोजगार के बीच अंतर, नशे की समस्या, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग तथा मानसिक तनाव जैसी चुनौतियां युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर सकती हैं। इन समस्याओं को केवल युवाओं की जिम्मेदारी मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। परिवार, शिक्षण संस्थानों, समाज और सरकार, सभी को मिलकर समाधान तलाशना होगा।

नशे की समस्या युवाओं के भविष्य के लिए विशेष चिंता का विषय है। जिस उम्र में युवा अपने सपनों को आकार दे सकता है, उसी उम्र में यदि वह नशे की गिरफ्त में आ जाए तो उसकी शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार और पूरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए नशे के खिलाफ केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, युवाओं को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, कौशल विकास और सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना भी आवश्यक है।

शिक्षा व्यवस्था में भी ऐसे बदलाव जरूरी हैं, जिनसे युवाओं में केवल डिग्री प्राप्त करने की प्रवृत्ति न रहे, बल्कि उनमें समस्या समाधान, नेतृत्व, संवाद, तकनीकी दक्षता और नैतिक मूल्यों का विकास हो। आज उद्योग जगत जिस प्रकार के कौशल की मांग कर रहा है, शिक्षा संस्थानों को भी उसी के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को विकसित करना होगा। स्वरोजगार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता बढ़ाना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में पर्यटन, बागवानी, कृषि आधारित उद्योग, हस्तशिल्प, आई.टी. और स्थानीय उत्पादों के क्षेत्र में युवाओं के लिए बड़ी संभावनाएं हैं।

लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है। युवा केवल चुनाव के समय मतदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका निभाएं। समाज में व्याप्त कुरीतियों, भ्रष्टाचार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक असमानता जैसे विषयों पर युवाओं की सकारात्मक युवाओं में डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार की समझ विकसित करना समय की आवश्यकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी समझें। ईमानदारी से अपना काम करना, पर्यावरण की रक्षा, कानून का सम्मान, जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज में सकारात्मक सोच फैलाना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। युवा केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की भी महत्वपूर्ण शक्ति हैं। यदि युवाओं को सही दिशा, उचित अवसर और आवश्यक संसाधन मिलें तो वे भारत की विकास यात्रा को नई गति दे सकते हैं। इसलिए आज जरूरत है कि युवा नीति केवल सरकारी दस्तावेजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और गांवों तक दिखाई दे। युवाओं की आवाज सुनी जाए, उनकी प्रतिभा को अवसर मिले और उनके सपनों को पूरा करने के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की जाए। भारत का विकसित और आत्मनिर्भर भविष्य मजबूत युवा शक्ति पर ही टिका है।

मेडिकल स्टोर से नकली दवा तो नहीं खरीद रहे?

अहमदाबाद में हार्ट की नकली दवाएं पकड़ी गईं, निकार्डिया रिटार्ड की 7.20 लाख नकली टैबलेट जब्त की गईं. ऐसे करें असली-नकली दवाईयों की पहचान.

अहमदाबाद से एक बड़ी ही झकझोर देने वाली खबर सामने आई है. यहां दिल की बीमारी में इस्तेमाल होने वाली दवा की भारी मात्रा में नकली टैबलेट पकड़ी गई हैं. जांच एजेंसियों ने Nicardia Retard 10 MG नाम की दवा की करीब 7.20 लाख नकली टैबलेट बरामद की हैं. यह दवा हाई ब्लड प्रेशर और दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों को दी जाती है, इसलिए इसकी नकली सप्लाई सामने आने से मरीजों की सेहत को लेकर गंभीर चिंता खड़ी हो गई है. इतनी बड़ी तादाद में नकली दवा बाजार में पहुंचना यह दिखाता है कि नकली दवाओं का यह रैकेट कितने बड़े स्तर पर काम कर रहा था.

फिलहाल इस मामले में आगे की जांच चल रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये नकली टैबलेट कहां-कहां तक सप्लाई हो चुकी थीं. ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि नकली दवा की पहचान कैसे की जाए, इसके क्या नुकसान हो सकते हैं और अगर किसी को नकली दवा मिले तो उसे कहां शिकायत करनी चाहिए.

नकली दवा की पहचान कैसे करें?

नकली दवा को पहचानना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है. सबसे पहले दवा की पैकिंग को ध्यान से देखना चाहिए. असली दवा की पैकिंग पर छपाई एकदम साफ और सही होती है, जबकि नकली दवा में अक्षर धुंधले, स्पेलिंग गलत या रंग हल्का अलग नजर आ सकता है. साथ ही दवा पर बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग डेट और एक्सपायरी डेट जरूर चेक करनी चाहिए. अगर यह जानकारी मिटी हुई है, गायब है या ठीक से प्रिंट नहीं हुई है, तो यह नकली दवा है सकती है. इसके अलावा, कई दवा कंपनियां अब पैकेट पर क्त्क्र कोड या होलोग्राम भी देती हैं, जिन्हें स्कैन करके दवा असली है या नहीं, यह पता किया जा सकता है. साथ ही अगर दवा हमेशा से जानी-पहचानी दुकान के बजाय किसी अनजान या बहुत सस्ते दाम पर बेचने वाली जगह से मिल रही है, तो वहां से दवा खरीदने से पहले सतर्क रहना चाहिए. दवा खाने के बाद अगर असर सामान्य से अलग महसूस हो या कोई नई दिक्कत हो, तो भी यह नकली दवा का संकेत हो सकता है.

नकली दवा के नुकसान

नकली दवा के नुकसान बेहद गंभीर हो सकते हैं, खासतौर पर तब जब बात दिल की बीमारी जैसी गंभीर स्थिति की हो. हार्ट पेशेंट्स को दी जाने वाली दवाएं ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखने का काम करती हैं. अगर मरीज को नकली दवा मिल जाए, तो उससे बीमारी कंट्रोल में नहीं आती और स्थिति और बिगड़ सकती है. साथ ही कई बार नकली दवाओं में गलत या हानिकारक केमिकल भी मिला दिए जाते हैं, जो शरीर के दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं. हार्ट पेशेंट्स के लिए यह खतरा और बढ़ जाता है, क्योंकि सही समय पर सही दवा न मिलने से हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थिति भी बन सकती है.

नकली दवा मिल जाए तो कहां शिकायत करें

अगर किसी को शक हो कि उसे नकली दवा मिली है, तो सबसे पहले उस दवा को इस्तेमाल करना तुरंत बंद कर देना चाहिए और डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. इसके बाद इसकी शिकायत राज्य के फूड एंड ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन यानी स्नष्ठष्ट्र में की जा सकती है. हर राज्य में यह विभाग मौजूद होता है और नकली, मिलावटी या अवैध दवाओं से जुड़ी शिकायतें यहीं दर्ज कराई जाती हैं.

सामयिक चर्चा

जहाँ अहंकार, वहाँ वार-पलटवार

खबर पढ़कर, अपने आप हँस कर
बानी बोले- ''आज सुनिए गजाधर !
भाजपा सांसद कंगना रनौत और
योग गुरू रामदेव का एक दूसरे पर वार
और फिर पलटवार -
कंगना रनौत ने जेन-जी को गटर जनरेशन कहा
तो रामदेव से उनके बयान पर पूछने पर
उनका सख्त कहना यह रहा -
''ओछे लोगों पर मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता।''
गजाधर! योग गुरू द्वारा कंगना को
'ओछे लोग' कहने को मैं ठीक नहीं मानता।''
तभी बीच में ही गिरधारी बोल उठे- ''बानी!
कुछ दिनों पहले सरकारी नौकरी के
इंटरव्यू में गड़बड़ियों को लेकर
बाबा रामदेव ने सवाल किया था।
इस पर उनकी आंदोलन वाली चेतावनी पर
कंगना रनौत ने तंज कसा था।
जिसके बाद से दोनों के बीच जुबानी जंग चल रही है।
बानी एकाएक बोल उठे- ''गजाधर! इस पर
आपकी समझ क्या कह रही है?''
गजाधर मुस्कराए, बोले- ''बानी!
आप जिसे कहते हैं वार और पलटवार
हम उसे कहते है दरअसल ये है,
दोनों के अपने-अपने अंहकार।''
(सोमवार 24 अगस्त 2026)

गिरीश बख्शी

जनमंच

परीक्षा व्यवस्था में सुधार व पारदर्शिता जरूरी

महोदय,

वर्तमान परीक्षा व्यवस्था के संचालन को लेकर मेरा एक सुझाव व निवेदन है कि परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कुछ आवश्यक नियम कड़ाई से लागू किए जाने चाहिए। परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक (पवीक्षक) सीधे उसी कक्ष के भीतर उपस्थित रहें, जहां विद्यार्थियों की परीक्षा ली जा रही है। यदि कोई परीक्षार्थी किसी कारणवश थोड़ा विलंब से पहुंचता है, तो उसे परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन परीक्षा समाप्त होने से पहले किसी भी छात्र को बाहर जाने की अनुमति न हो।

इसके साथ ही, परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समयबद्ध तरीके से हो। मूल्यांकन उपरांत संबंधित प्राचार्य अथवा केंद्राध्यक्ष द्वारा नतीजों व मूल्यांकन रिकॉर्ड की एक-एक प्रमाणित छायाप्रति (फोटोकॉपी) अपने पास तथा संबंधित स्कूल या कॉलेज प्रभारी के पास सुरक्षित रखी जानी चाहिए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

– यू. के. रायजादा
(सेवानिवृत्त इंजीनियर), कंचनबाग,
रायपुर नाका, राजनांदगांव मो. 9009026965

(कविता)

पेड़ लगावौ

जेठ अंगरा, असाढ़ सुक्खा, जिनगी कइसे जीबो।
चेत करव सब मनखे मन हर, का खाबो, का पीबो।
पेड़ कटागे, छाँव गँवागे, चातर होगे भुइयाँ।
जल के स्वामी वरुण रिसागे, कोन मनाही गुइयाँ ?
बिना पेड़ के मुरकेटत हे, मुँह ला बरखा रानी।
कभू भुखमरी कभू सुनामी, कलपत हवे किसानी।
जल हावे तब कल हर हावय, जल बिन जग हे सुन्ना।
बिना पेड़ के ऑक्सीजन मिल पाही कइसे मुन्ना?
पेड़ लगाये बिना चलावत, रहिहू रोज कुल्हाड़ी।
वो दिन जादा दूर कहाँ? जब नइ मिल पाही काड़ी।
बिना पेड़ के सपना होथे, जड़ी-दवा के आसा।
बिना लगाये कइसे पाबो? सुघर फूल फर लासा।।
जग मा नवा-नवा बीमारी, पनपत हावय भारी।
अब तो जागव जग के लोगन, छोड़व अत्याचारी।
अलहन जिनगी मा झन आवै,समझौ अउ समझावौ।
जिनगी अपन सँवारे खातिर, जुरमिल पेड़ लगावौ।।

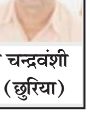

राम कुमार चन्द्रवंशी
बेलरगोंदी (छुरिया)

शब्द सामर्थ्य -139

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

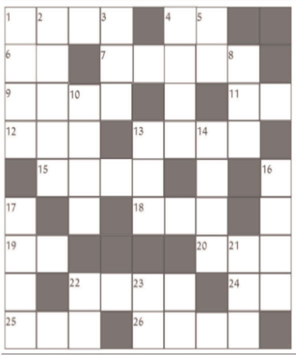

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 138 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू- दोकू क्र.139

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.138 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

राशिफल

मेष – आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आज आपको ऑफिस प्रोजेक्ट समय से पूरा करना होगा , अन्यथा आपको बॉस से डांट पड़ सकती है। आज आप लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे , जिससे एक-दूसरे को अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृष राशि – आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपको फोन के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में खुशी का माहौल बनेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते हैं आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

मिथुन – आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे , काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा। आज आपके आय के नए रास्ते बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट कार्य में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा।

कर्क – आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवार के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बना रहेगा , जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आज आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनाएंगे, जहां आपको काफी शांति महसूस होगी। आज आप सेहत को ठीक रखने के लिए मॉर्निंग वॉक करेंगे। इससे आपको तरोताजा महसूस होगा।

सिंह – आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप बेवजह की उलझन से दूर होकर , आप किसी धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है , यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप कुछ समय एकांत में रहकर अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

कन्या – आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहेगा। आज आप अपने फैमली बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए किसी एक्सपर्ट की राय ले सकतें हैं। आज आप पड़ोस में हो रहे भजन, कीर्तन में सपरिवार सम्मिलित होंगे। आज आपकी वाणी में मधुरता का भाव रहेगा। आज आपको राजनीति में सफलता प्राप्त होगी और सभा को संबोधित करने का मौका मिलेगा।

तुला – आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आपको अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी समय मिले अपने काम को पूरा कर ले। इस राशि के छात्रों की नए विषयों में रुचि बढ़ेगी , जिसमें गुरुजनों का साथ मिलेगा। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के साधन मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमाने में कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक – आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आप नेगटिव बातें करने वाले व्यक्तियों से दूर रहें और खुद का आत्मविश्वास बनाये रखें। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा , आप बच्चों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप सपनों को साकार करने के लिए काफी उत्साहित रहेंगे।

धनु – आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु रूप से चलाने में समर्थ रहेंगे। आपको ऐसी जगह से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहां से आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। आज जीवनसाथी की वजह से आपकी योजना या कार्य बन सकता है , लेकिन धैर्य बनाए रखें। आज आपसे आपका दोस्त मदद मांग सकता है ।

मकर – आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप अपने कार्यों में किसी और को दखल न देने दें और सब कुछ अपनी तरह से हैंडल करें। आज आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, कुछ समय बिताएंगे जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कुंभ – आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज आप किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। इस राशि की महिलाएं आज अपनी सहेलियों के साथ किट्टी पार्टी करेंगी।

मीन – आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। आज आपको पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आप लंबे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए बदलाव भी कर सकते हैं। आज रिश्तेदारों के आगमन से घर का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। आज आप घर का डेकोरेशन करायेंगें।

सावन के अंतिम सोमवार को गूंजा महाकाल का उद्घोष, श्री वट महादेव मंदिर से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

कोतरी नदी से जल भरकर कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक, बरसते पानी में भी बना रहा भक्तों का उत्साह

मोहला (दावा)। पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवार को वनांचल क्षेत्र भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। श्री वट महादेव मंदिर फुलकोड़ो में सुबह से ही भगवान आशुतोष के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर से पहली बार भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई।

जिसमें बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं। श्री वट महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई कांवड़ यात्रा भरीटोला स्थित कोतरी नदी पहुंची। वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कांवड़ियों ने पवित्र जल भरा। रिमझिम बारिश के बीच कंधे पर कांवड़ लिए श्रद्धालु रास्ते भर 'हर-हर महादेव' और महाकाल के जयकारे लगाते हुए पुनः फुलकोड़ो मंदिर पहुंचे। यहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक व जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की गई।

पुष्पवर्षा कर हुआ स्वागत, बटा महाप्रसाद

श्री वट महादेव मित्र मंडल के अध्यक्ष देवानंद कौशिक ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया। भक्तों के लिए फलाहार एवं विशेष पूजा-अर्चना के बाद पूड़ी-हलवा के महाप्रसाद का वितरण किया गया। अध्यक्ष श्री कौशिक ने बताया कि कांवड़ यात्रा का यह पहला वर्ष था। भक्तों के अभूतपूर्व उत्साह को देखते हुए अब प्रतिवर्ष इस आयोजन को और भी वृहद व भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने में दीनू चौड़िया, मिथिलेश ढलेंद्र, डोमन कोमरे, पुरन अमिला, दुलचंद बढ़ाई, मदन भुआर्य, चिंते अमिला, मुकेश दुग्गा, नवल सिंह, लोकेश चौड़िया, इंद्रप्रसाद डोंगरे, जनक भंडारी, प्रदीप तुलावी, मनोज कोर्राम, शबाना कोर्राम, विशेषवरी तुलावी, सावित्री चौड़िया, अश्वनी अमिला, रोमन अमिला, नीलम कोमरे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तकनीक, नवाचार और उन्नत कृषि की ओर साहू समाज का कदम, आईटी सेल एवं किसान प्रकोष्ठ की संयुक्त बैठक संपन्न

डोंगरगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ को आधुनिक, संगठित और आत्मनिर्भर समाज की दिशा में आगे बढ़ाने की पहल के तहत आईटी सेल प्रकोष्ठ एवं किसान प्रकोष्ठ की संयुक्त प्रथम बैठक का आयोजन भामाशाह छात्रावास, साहू कॉम्प्लेक्स, टिकरापारा, रायपुर स्थित प्रदेश साहू संघ कार्यालय में किया गया। बैठक में सामाजिक संगठन को तकनीक, नवाचार, उन्नत कृषि और आधुनिक सोच से जोड़ने को लेकर महत्वपूर्ण एवं सार्थक चर्चा हुई।

बैठक में आई.टी. सेल प्रकोष्ठ द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं सकारात्मक संदेशों को आधुनिक और प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुंचाने, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नए नवाचार अपनाने तथा समाज को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। वहीं किसान प्रकोष्ठ द्वारा उन्नत एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर समाज के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नवीन दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक कार्यों में सक्रियता, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए परिवार संस्कार कार्यशाला की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया तथा पदाधिकारियों से समाज को अधिक सशक्त, संस्कारित, संगठित एवं प्रभावी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने कहा।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष साधना साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. तिलक साहू, प्रदेश महामंत्री चित्रलेखा साहू, प्रदेश सयुक्त सचिव प्रदीप साहू, आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक चोवाराम साहू, सुखुराम साहू, सेवन साहू, मनोज कुमार साहू संभागीय सयोजक (आईटी सेल प्रकोष्ठ) भरत साहू, राम साहूख् घनश्याम साव प्रदेश मिडिया प्रभारी (आईटी सेल प्रकोष्ठ), घनेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति केवल परंपराओं को सहेजने से नहीं, बल्कि समय के साथ तकनीक, शिक्षा, रोजगार, कृषि और नवाचार को अपनाने से संभव है। आईटी सेल और किसान प्रकोष्ठ जैसे विषय-आधारित प्रकोष्ठ समाज की प्रतिभाओं और संसाधनों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी महामंत्री मनीष कुमार साहू तथा कार्यक्रम का संचालन किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री बल्ला साहू ने किया।

पहला कॉलम...

खिलेश्वर का चयन राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में

डोंगरगांव (दावा)। नगर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक शाला में कक्षा आठवीं के छात्र खिलेश्वर निषाद उम्र 14 वर्ष का चयन फुटबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। बता दें कि खिलेश्वर ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता बालोद में 20 अगस्त को राजनांदगांव जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी राजनांदगांव जिले की टीम फुटबॉल अंडर 14 आयु वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किए हैं। डोंगरगांव विद्यालय को खेल के क्षेत्र में क्रीड़ा गौरव उपलब्धि प्रदान किए हैं। इस उपलब्धि के लिए संकुल प्राचार्य उमा हरिवंश, व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार पटेल, देवेंद्र कुमार साहू, टोमन पटेल और संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने खिलेश्वर की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

पंडवानी पार्टी का गठन

कल्लूबंजारी (दावा)। समीपस्थ ग्राम रेंगाकठेरा में जय माँ सरस्वती 36 गढ़ी पंडवानी संस्था पं.क्र. 946 का गठन किया गया है। जिसमें गायिका दुर्गा यादव, संरक्षक आत्माराम चंद्रवंशी, संचालक कुंवरसिंग कोहकोट्टा, संगीतकार भवनसिंग ठाकुर, देश्वर कोर्राम, अगेश्वर कुमार कोहकोट्टा, टोमनलाल, मंहगूराम यादव, शेखर यादव, घनश्याम कोमरे आदि शामिल है।

आज मानपुर में आयोजित होगा जिला मेडिकल बोर्ड

मोहला (दावा)। जिला चिकित्सालय मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी में प्रत्येक माह के चौथे बुधवार को आयोजित होने वाला जिला मेडिकल बोर्ड इस माह सार्वजनिक अवकाश के कारण निर्धारित तिथि से एक दिन पहले 25 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। जिला मेडिकल बोर्ड का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में किया जाएगा। इस दौरान दिव्यांगता एवं जिला मेडिकल बोर्ड से संबंधित हितग्राहियों की चिकित्सकीय जांच की जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। जांच एवं प्रमाण पत्र जारी करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। इनमें डॉ. बीके बनर्जी (मनोरोग विशेषज्ञ), डॉ. खुमान सिंह मंडावी (मेडिसीन विशेषज्ञ), डॉ. अनिल महाकालकर (अस्थिरोग विशेषज्ञ), डॉ. बीएल तुलावी (नाक, कान एवं गला विशेषज्ञ) तथा डॉ. राकेश रामटेके (शिशुरोग विशेषज्ञ) शामिल हैं। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित हितग्राहियों से निर्धारित तिथि पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर पहुंचकर आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराने की अपील की है।

महिला पतंजलि योग समिति डोंगरगढ़ ने हरेली तीज मनाई

डोंगरगढ़ (दावा)। तहसील डोंगरगढ़ में कई सालों से महिला पतंजलि योग समिति के द्वारा निःशुल्क योग क्लासेज कई जगहों पर चलाई जा रही है, और इन महिलाओं के द्वारा समय-समय पर विविध कार्यक्रम के साथ-साथ समाज सेवा और योग सेवा के भाव से निरंतर आगे बढ़ते हुए महिला योग समिति आज बहुत ही अच्छे निरंतर कार्य पर लगी हुई है। सावन के इस शुभ अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति की समस्त महिलाओं के द्वारा हरेली तीज का प्रोग्राम स्वागतम होटल में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, जिसमें 40 महिलाओं ने बहुत ही सुंदर तरीके से और अच्छे वस्त्रो के साथ उपस्थित दिखाई, अलग-अलग तरह के गेम खेले गए और उसके साथ आकर्षक उपहार भी दिए गए। बच्चों व महिलाओं के द्वारा नृत्य व संगीत की प्रस्तुति के साथ-साथ सभी प्रतियोगिता में भाग लेकर इस प्रोग्राम को और भी आकर्षक ढंग से संपन्न किया गया। महिला पतंजलि की समस्त महिलाओं के द्वारा डोंगरगढ़ वासी समस्त महिलाओं को हरेली तीज की बधाई दी।

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर नवविवाहिता ने की आत्महत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

खैरागढ़ (दावा)। दहेज की मांग और शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर एक नवविवाहिता द्वारा आत्मदाह किए जाने के मामले में खैरागढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

19 माह पहले हुई थी शादी

पुलिस के अनुसार मृतिका का विवाह 24 फरवरी 2025 को सामाजिक रीति-रिवाज के साथ आरोपी अजय बघेल (30 वर्ष), पिता लखन बघेल, निवासी ग्राम टेकापार खुर्द, थाना खैरागढ़ (जिला केसीजी) के साथ हुआ था। विवाह के समय मृतिका के परिजनों ने अपनी सामर्थ्य अनुसार उपहार व घरेलू सामग्री दी थी।

बाइक और नकदी के लिए मारपीट, पढ़ाई छुड़वाई

परिजनों का आरोप है कि शादी के महज 2-3 माह बाद ही आरोपी पति द्वारा दहेज में मोटरसाइकिल और कम नकदी मिलने की बात को लेकर मृतिका को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया गया। आरोपी उसके साथ लगातार मारपीट करता था और सगाई में मिले हाथ के आभूषण भी उसने अपने पास रख लिए थे। इसके अलावा, शादी से पहले मृतिका की पढ़ाई जारी रखने की सहमति के बावजूद आरोपी उसे डी.एड. की पढ़ाई करने से जबरन रोकता था, जिससे वह गहरे मानसिक तनाव में रहने लगी थी।

घर के टॉयलेट में मिट्टी तेल डालकर लगाई आग

पति की रोज-रोज की प्रताड़ना और कलह से तंग आकर नवविवाहिता ने अपने ससुराल स्थित घर के टॉयलेट में खुद पर मिट्टी का तेल उड़ेलकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलस जाने के कारण उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पर खैरागढ़ पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर आरोपी पति के खिलाफ अपराध क्रमांक 324/2026, धारा 80 एवं 85 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दहेज हत्या व प्रताड़ना का अपराध पंजीबद्ध किया। मामले की विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने 24 अगस्त 2026 को आरोपी अजय बघेल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

अंबागढ़ चौकी में भीषण सड़क हादसा, युवक गंभीर

अंबागढ़ चौकी (दावा)। राजनांदगांव से चंद्रपुर स्टेट हाईवे में अंबागढ़ चौकी तहसील कार्यालय के सामने शनिवार को हुए सड़क हादसे में ग्राम मोहला, छुरिया निवासी राजीव मंडावी पिता मूलाराम मंडावी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा एक माजदा वाहन की टक्कर से हुआ। बताया जा रहा है कि माजदा वाहन अंबागढ़ चौकी का है।

दुर्घटना के बाद घायल राजीव मंडावी को तत्काल अंबागढ़ चौकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए राजनांदगांव रेफर किया गया। राजनांदगांव में उपचार के बाद हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें रायपुर रेफर किया गया। फिलहाल राजीव मंडावी रायपुर के राजकुमार कॉलेज के सामने स्थित अग्रवाल अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार हादसे में उनके हाथ की हड्डी में पांच जगह फ्रैक्चर हुआ है। पैर की एक उंगली में भी फ्रैक्चर है। जबकि भुजा की हड्डी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। परिजनों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जन्माष्टमी को लेकर डोंगरगढ़ पुलिस सतर्क, 6 संदिग्धों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

डोंगरगढ़ (दावा)। आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर धर्मनगरी में शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से डोंगरगढ़ पुलिस ने असामाजिक और संदिग्ध तत्वों के खिलाफ धरपकड़ अभियान तेज कर दिया है। पुलिस द्वारा लगातार गश्त, पेट्रोलिंग, नाकाबंदी और होटल-ढाबों की सघन चेकिंग कर अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

अलग-अलग क्षेत्रों में विवाद करने वाले 6 युवक गिरफ्तार

थाना के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल ने बताया कि रविवार, 23 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर वाद-विवाद करने और संज्ञेय अपराध घटित होने की आशंका को देखते हुए 6 युवकों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए आरोपियों में शामिल हैं। जिनमें लक्ष्मण (21 वर्ष) पिता महेंद्र निवासी दंतेश्वरी पारा (वार्ड 02), अनिकेत गजभिये (24 वर्ष) पिता सुनील गजभिये निवासी कालका पारा (वार्ड 10), शिवा चंद्रवंशी (19 वर्ष) पिता अशोक चंद्रवंशी, निवासी बधियाटोला, करण डोंगरे (19 वर्ष), पिता रंजीत डोंगरे निवासी इंदिरा नगर (वार्ड 05), आकाश लाउत्रे (26 वर्ष) पिता स्व. रमेश लाउत्रे निवासी इंदिरा नगर (वार्ड 05), अरविंद उर्फ बिल्लू कुशवाहा (23 वर्ष) पिता नत्थू कुशवाहा निवासी भुरवाटोला (वार्ड 20) आदि है।

त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बाधित न हो, इसके लिए पुलिस ने सभी छह आरोपियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 170, 126 एवं 135(3) के तहत वैधानिक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इसके उपरांत सभी को अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

गोविंदा उत्सव की तैयारी प्रारंभ : 5 सितंबर को निकलेगा दही लूट जुलूस

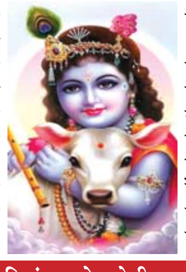

4 सितंबर को मनेगी कृष्ण जन्माष्टमी, बैठक में सुरक्षा व व्यवस्था को लेकर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

डोंगरगढ़ (दावा)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं पारंपरिक गोविंदोत्सव को लेकर धर्मनगरी में उत्साह का माहौल है। गट्टानी भवन में महंत साकेत बिहारी दास के सानिध्य एवं अनिल कुमार गट्टानी की अध्यक्षता में गोविंदा उत्सव कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी जन्माष्टमी एवं दही लूट उत्सव को पूरी भव्यता, गरिमा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। मथुरा, वृंदावन एवं डोंगरगढ़ मंदिर के पुजारियों के अनुसार 4 सितंबर (शुक्रवार) को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। स्व. प्रकाशचंद गट्टानी के पुत्र अनिल कुमार गट्टानी ने बताया कि श्री गोविंद भगवान की स्थापना एवं अखंड श्रीकृष्ण धुन 4 सितंबर को प्रातः 9 बजे श्री महावीर मंदिर में प्रारंभ होगी। जिसका समापन 5 सितंबर प्रातः 9 बजे होगा। इसके पश्चात 5 सितंबर (शनिवार) को दोपहर 12 बजे श्री महावीर मंदिर से भव्य दही लूट जुलूस निकाला जाएगा। जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए शाम 7 बजे पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचेगा।

समिति के अध्यक्ष अनिल गट्टानी ने नगरवासियों व गोविंदा टोलियों से व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष अपील की है। दही हांडी बांधने वाले आयोजक मजबूत रस्सियों का उपयोग करें तथा नीचे जमीन पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त रेती व भूसा अनिवार्य रूप से बिछवाएं। हांडी फोड़ने वाले प्रतिभागी (गोविंदा) यथासंभव सफेद पैंट और केसरिया बनियान पहनकर ही शामिल हों। सभी नागरिक अपने-अपने मोहल्लों में तोरण, बंदनवार लगाकर उत्सव की शोभा बढ़ाएं। जुलूस मार्ग में वाहन खड़े न करें और बैंड-बाजा व नगाड़ा दल के आगे अनावश्यक नृत्य कर व्यवधान उत्पन्न न करें। आयोजन समिति की बैठक में प्रमुख रूप से विश्वनाथ यादव, शरद अग्रवाल, किशोर साखरे, जितेंद्र भाटिया, रामजी तराने, चेतन अग्रवाल, छेदुलाल अग्रवाल, राहुल यादव, गोपाल खेमुका, बबलू शांडिल्य सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार उपस्थित होकर दर्शन लाभ लेने का आग्रह किया है।

बच्चों की हर जिद पूरी करना प्रेम नहीं, संस्कार देना जरूरी : विवेक मोनू भंडारी

दिखावे और सुविधाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन व संवाद से संवरता है बच्चों का भविष्य

डोंगरगढ़ (दावा)। वर्तमान परिवेश में बच्चों की परवरिश को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आज माता-पिता बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की होड़ में उनकी हर उचित-अनुचित मांग को बिना सोचे-समझे पूरा कर देते हैं। उन्हें लगता है कि हर इच्छा पूरी करना ही प्रेम है, जबकि बच्चों का भविष्य केवल सुविधाओं और दिखावे से नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, संवाद और सही दिशा से बनता है। ये विचार विवेक मोनू भंडारी ने बच्चों की परवरिश और सामाजिक मूल्यों पर व्यक्त किए।

आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करें अभिभावक

श्री भंडारी ने कहा कि बच्चे कही गई बातों की तुलना में माता-पिता के व्यवहार को देखकर अधिक सीखते हैं। यदि माता-पिता बड़ों का सम्मान करेंगे, संयम रखेंगे और ईमानदारी को महत्व देंगे, तो बच्चे भी उन्हीं मूल्यों को अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को समय देने के बजाय उनकी मांगें तुरंत पूरी कर दी जाती हैं, जिससे उनमें हर जिद पूरी होने की आदत बन जाती है। कभी-कभी माता-पिता का प्यार भरा 'ना' कहना बच्चे के भविष्य के लिए हजार 'हां' से अधिक मूल्यवान साबित होता है।

घर ही है पहली पाठशाला

उन्होंने कहा कि हमारी सनातनी परंपरा में घर को मंदिर और पहली पाठशाला माना गया है, जहां माता-पिता पहले शिक्षक होते हैं। आधुनिकता और तकनीक अपनाना समय की मांग है, लेकिन पश्चिमी सभ्यता के अंधानुकरण में अपनी जड़ों और पारिवारिक मर्यादा को भूलना उचित नहीं है। उन्होंने देखा-देखी में कम उम्र में ही बच्चों को मेट्रो शहरों के हॉस्टल भेजने की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई और कहा कि निर्णय और मर्यादा के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

संस्कारों की विरासत छोड़ें

विवेक मोनू भंडारी ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों के लिए केवल संपत्ति और सुविधाओं की नहीं, बल्कि अच्छे संस्कारों की विरासत छोड़ें। संपत्ति और सुविधाएं समाप्त हो सकती हैं, लेकिन संस्कार जीवनपर्यंत साथ निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चों को उपदेश देने से पहले स्वयं वैसा आचरण करके दिखाएं। क्योंकि आज का पारिवारिक वातावरण ही कल के समाज की दिशा तय करेगा।

गायत्री परिवार की ब्लॉक समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

संगठन विस्तार और सामाजिक गतिविधियों को गति देने पर हुआ मंथन

अंबागढ़ चौकी (दावा)। गायत्री परिवार ट्रस्ट अंबागढ़ चौकी की ब्लॉक इकाई के अंतर्गत नवचयनित ब्लॉक समन्वय समिति की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक समिति के पदाधिकारियों, प्रभारियों सहित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक के दौरान गायत्री परिवार के संगठन विस्तार, आगामी रचनात्मक कार्ययोजनाओं और वनांचल क्षेत्र में सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। वक्ताओं ने समाज में नैतिक मूल्यों के विकास, व्यसनमुक्ति और युवा चेतना के जागरण हेतु संगठन को और अधिक गतिशील व प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। बैठक में ब्लॉक समन्वयक दयाराम मंडावी, सह समन्वयक सुकालू राम, चैन सिंह तारम, चैतराम निषाद, शंभू निषाद, संतोष देवांगन तथा महिला मंडल की ओर से सीता मंडावी सहित अन्य सामाजिक बहनें उपस्थित रहीं। अंत में ब्लॉक समन्वयक दयाराम मंडावी ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

पहला कॉलम...

सोना 1,62,000 के पार तो चांदी के गिरे दाम

नई दिल्ली। आज सोना महंगा हुआ है तो वहीं, चांदी के रेट गिर ही गए हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के अनुसार, 24 कैरेट सोने का वायदा भाव शुरुआती कारोबार में 0.67% बढ़कर यानी 1087 रुपये तेजी के साथ 1,63,525 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है. वहीं, चांदी का भाव शुरुआती कारोबार में 0.18% घटकर यानी 447 रुपये गिरावट के साथ 2,46,150 रुपये प्रति किलो हो गया है. बुलियन्स के मुताबिक 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम है और चांदी 2,47,170 रुपये किलो पर कारोबार कर रहा है. यहां से आप सोना और चांदी का ताजा भाव शहर अनुसार पता कर सकते हैं. सोना खरीदें या चांदी हमेशा शुद्धता की जांच कर लेनी चाहिए. साथ ही बीआईएस हॉलमार्क और 6 अंकों वाला एचयूआईडी कोड देख लेना चाहिए. आपको सोनार से सोने का सही वजन भी जान लेना चाहिए. इतना ही नहीं, आपको मेकिंग चार्जेज के बारे में भी पता होना चाहिए. हर दुकान में मेकिंग चार्जेज अलग- अलग होते हैं.

चीनी-प्याज के बाद अब दाल भी महंगी

नई दिल्ली। देशभर में जिस तेजी के साथ खाने-पीने के चीजों की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने आम आदमी की परेशानी बढ़ा दी है. चीन से लेकर प्याज और खाने पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल के साथ-साथ अब दालें भी महंगी होने लगी हैं. ऐसे में मिडिल क्लास की रसोई का बजट गड़बड़ाने लगा है. त्योहारी सीजन में खाने-पीने की चीजों की महंगाई को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं.

कल यानी कि रविवार, 23 अगस्त को थोक मंडियों में साबुत उड़द की कीमतों में महज एक ही दिन में 15.29% का बड़ा उछाल आया है. इसके चलते अब इसका औसत थोक भाव 10,238 प्रति क्विंटल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है. कुछ मंडियों में कीमतें 13,000 रुपये प्रति क्विंटल तक दर्ज की गई हैं. थोक मंडियों में आए इस 15.29% के उछाल का सीधा असर आपके नजदीकी किराना स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर पैकेज्ड दालों के रेट पर भी पड़ा है.

स्थानीय खुदरा बाजारों में खुली उड़द दाल (साबुत/धुली) की कीमत आज 120-150 रुपये प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई है. वहीं, अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर पैकेज्ड दाल की कीमत भी बढ़ी है. कल 23 अगस्त को थोक मंडियों में अरहर दाल की कीमत भी 19.51% बढ़ी है. इसके चलते अरहर का औसत थोक भाव बढ़कर 9,050 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है. कहीं-कहीं रेट 13,000 प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं. इसके मद्देनजर आपके नजदीकी किराना स्टोर्स और सुपरमार्केट्स में खुली अरहर दाल के भाव 140-160 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गए हैं. वहीं, पैकेज्ड अरहर दाल की कीमत 175 से 195 रुपये के बीच चल रही है.

अब विदेश जाएगा भारत का आटा, सरकार ने हटाई निर्यात पर लगी रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं के आटे और इससे जुड़े दूसरे उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक को तुरंत प्रभाव से हटा दिया है. सरकार के इस फैसले के बाद अब भारत से गेहूं का आटा, मैदा, सूजी, साबुत गेहूं का आटा और अन्य संबंधित उत्पादों को विदेश भेजने की अनुमति मिल गई है. सरकार ने सोमवार को गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों की निर्यात नीति में बदलाव किया. इसके तहत पहले लागू निर्यात प्रतिबंध को हटा दिया गया है. यानी अब इन उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से किया जा सकेगा. भारत ने 12 जुलाई 2022 को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई थी. इसका मुख्य कारण घरेलू बाजार में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतें थीं. उस समय रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनियाभर में गेहूं की कीमतों में करीब 40% तक तेजी आई थी. भारत से भी बड़ी मात्रा में गेहूं विदेश भेजा जा रहा था. युद्ध के कारण ब्लैक सी क्षेत्र में गेहूं की सप्लाई और ट्रांसपोर्ट पर भी असर पड़ा था. यह क्षेत्र दुनिया के करीब एक चौथाई गेहूं कारोबार से जुड़ा है. ऐसे में भारत ने वैश्विक बाजार में गेहूं की कमी को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई. हालांकि, बाद में सरकार ने गेहूं के निर्यात में कुछ ढील दी थी और इस साल इसकी अधिकतम सीमा 50 लाख टन सालाना तय की गई थी.

एक सितंबर से हवाई यात्रा होगी और भी आसान!

नई दिल्ली। भारत से जाने वाले इंटरनेशनल ट्रैवलर ई-बोर्डिंग पास का इस्तेमाल कर सकेंगे. इमिग्रेशन अधिकारी 1 सितंबर से बोर्डिंग पास पर अनिवार्य स्टैम्पिंग की प्रक्रिया खत्म कर रहे हैं. जानिए क्या बदलाव हुए हैं. 1 सितंबर से, भारतीय एयरपोर्ट से विदेश जाने वाले पैसेंजर्स को इमिग्रेशन अधिकारियों से अपने बोर्डिंग पास पर फिजिकल स्टैम्प लगवाने की जरूरत नहीं होगी. इस कदम का मकसद इंटरनेशनल डिपार्चर प्रोसेस को आसान बनाना है. अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि गृह मंत्रालय के तहत आने वाले ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने एयरपोर्ट अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे फिजिकल बोर्डिंग पास और इमिग्रेशन काउंटर पर उन पर स्टैम्प लगवाने की जरूरी शर्त को खत्म करें. अधिकारियों के अनुसार, इसके बजाय यात्री इमिग्रेशन क्लीयरेंस के लिए अपने स्मार्टफोन पर ई-बोर्डिंग पास दिखा सकते हैं.

एनडीए के एजेंडे में 'एक देश एक चुनाव' : 2029 से लागू करने की कवायद तेज

उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, असम, ओडिशा, गोवा, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, अरूणाचल प्रदेश और मणिपुर में बीजेपी की अपनी सरकार है. वहीं महाराष्ट्र, बिहार, आंध्रप्रदेश, मेघालय, नागालैंड, सिक्कम और पुडुचेरी में एनडीए की सरकार है. बीजेपी को मालूम है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले 11 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने है. 2027 में उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, गुजरात और हिमाचल में चुनाव हैं, जबकि 2028 में कनार्टक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम में चुनाव है.

जबकि लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम के भी विधानसभा चुनाव होते हैं. हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव होता है. इसका मतलब ये है कि 8 राज्यों के चुनाव करवाने में केंद्र सरकार को कुछ खास मशक्कत नहीं करनी पड़नी चाहिए जबकि 2028 में जिन 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं वहां या तो विधानसभा की मियाद बढ़ाई जाए या राष्ट्रपति शासन लगाया जाए. जिन 7 राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं वहां चुनाव करा लिए जाएं और 2029 में उन विधानसभाओं को भंग करके लोकसभा चुनाव के साथ ही चुनाव कराए जाएं. कांग्रेस पार्टी एक देश एक चुनाव के बिल का विरोध कर रही है. यह 129 संविधान संशोधन विधेयक है, ऐसे में इसको पास कराने के लिए सरकार को दो तिहाई बहुमत चाहिए. इसके लिए उसे डीएमके जैसी पार्टियों की आवश्यकता होगी. यही नहीं परिसीमन बिल को लेकर भी यही स्थिति है. सरकार ने अभी तक संसद के मॉनसून सत्र का सत्रावसान नहीं किया गया मतलब सरकार कभी भी कम दिनों के नोटिस पर सत्र बुला सकती है. लेकिन सबसे बड़ा सवाल वही है कि क्या सरकार के पास दो तिहाई का जादुई आंकड़ा है या नहीं.

भारत-चीन सीमा मुद्दे पर अहम बैठक से पहले चीन का रुख, 'शांति और स्थिरता के लिए मिलकर करेंगे काम'

सीमा क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे बेहद गंभीर हैं और वहां शांति एवं स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। भारत और चीन के अधिकारियों के बीच 6 अगस्त को भारत-चीन सीमा मामलों पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन की 36वीं बैठक हुई थी। इस दौरान दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति पर स्पष्ट चर्चा

टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर, ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में रखा कदम

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ. मैच में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं. यह दोनों टीमों के लिए वर्चुअल क्वार्टर फाइनल था.

2026 महिला हॉकी वर्ल्ड कप में रविवार (23 अगस्त) को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे चरण का मुकाबला खेला गया. आम्सटलवेन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में हुआ मुकाबला फुल टाइम में 0-0 के ड्रॉ पर समाप्त हुआ. यह मैच दोनों ही टीमों के लिए वर्चुअल क्वार्टर फाइनल था. ड्रॉ के साथ टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गई. ऑस्ट्रेलिया ने ड्रॉ के साथ अगले राउंड यानी सेमीफाइनल में जगह बना ली.

अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में कदम कैसे रख दिया? मैच से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के पास बराबर 1-1 प्वाइंट था. पूल में आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए और पांच गंवाये थे, जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाये थे. औसत बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था. यही कारण रहा कि ड्रॉ के बाद ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में जगह मिल गई. पूल श्च में ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी. इससे पहले नीदरलैंड्स ने अगले राउंड में जगह पक्की की थी.

शुरू से लेकर आखिर तक दोनों ही टीमें गोल के लिए संघर्ष करती नजर आईं. भारत और ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन दोनों ही टीमें उसे भुना नहीं पाईं. भारत को हाफटाइम से ठीक पहले पेनल्टी कॉर्नर मिला. इसके लिए सलीमा आगे बढ़ी, लेकिन गेंद आस्ट्रेलियाई डिफेंडर के पैर से टकरा गई.

भारत भले ही गोल नहीं कर सका, लेकिन टीम की तरफ से शानदार डिफेंस देखने को मिला. गोलकीपर ने कई गोल बचाए, लेकिन इसका फायदा उन्हें नहीं हुआ. इससे टीम सेमीफाइनल में नहीं जा सकी. दूसरे चरण में टीम इंडिया कोई भी मैच नहीं जीत सकी.

योमिफ़ केजेलचा ने रचा इतिहास हाफ मैराथन में तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। इथियोपिया के स्टार लंबी दूरी के धावक योमिफ केजेलचा ने अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में इतिहास रच दिया है। ब्यूनस आयर्स हाफ मैराथन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 56 मिनट 51 सेकंड में रेस पूरी की और पुरुषों की हाफ मैराथन का नया विश्व रिकॉर्ड बनाने का दावा पेश किया। यह प्रदर्शन एथलेटिक्स की दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है।

केजेलचा शुरुआत से ही तेज रफ्तार में नजर आए। 21.0975 किलोमीटर की हाफ मैराथन में उन्होंने अपनी गति को बनाए रखा और अंतिम हिस्से तक विरोधी धावकों पर दबाव कायम रखा। फिनिश लाइन पार करते ही घड़ी पर 56 : 51 का समय दिखाई दिया, जिसके बाद आयोजन स्थल पर मौजूद दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

यह प्रदर्शन इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि इससे पहले पुरुष हाफ मैराथन का आधिकारिक विश्व रिकॉर्ड युगांडा के जैकब किप्लिमो के नाम था। किप्लिमो ने फरवरी 2025 में बार्सिलोना हाफ मैराथन में 56 मिनट 42 सेकंड का समय दर्ज किया था। ऐसे में 56-51 का समय किप्लिमो के मौजूदा रिकॉर्ड से नौ सेकंड धीमा है।

टेस्ट सीरीज में ध्रुव जुरेल ने ठोका नाबाद शतक, 503/9 पर भारत ने रोकी पारी

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब (स्स्ष्ट) में खेला जा रहा है. आज (24 अगस्त) इस मुकाबले का दूसरा दिन है. भारतीय टीम अपनी पहली पारी में बैटिंग कर रही है. ध्रुव जुरेल ने चायकाल के बाद अपने टेस्ट करियर का दूसरा शतक जड़ा.उन्होंने 100 रन बनाने के लिए 171 गेंदों का सामना किया. भारत ने 500 का आंकड़ा पार करने के बाद 503 रनों पर पारी की घोषणा कर दी. ध्रुव जुरेल 115 रन बनाकर नाबाद रहे.

भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हैं. गॉल के गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित सीरीज के पहले मुकाबले में शुभमन ब्रिगेड ने मेजबान श्रीलंका को 165 रनों से परास्त किया था. अब भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर टेस्ट सीरीज का शानदार अंत करना चाहेगी. कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन के खेल से जुड़े अपडेट्स के लिए इस पेज को रिफ्रेश करते रहिए...

कोलंबो टेस्ट का पहले दिन भारतीय टीम के नाम रहा. टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम के लिए देवदत्त पडिक्कल ने शानदार 117 रनों की पारी खेली.

BCCI ने सेलेक्टर्स को सौंपी नई जिम्मेदारी, नशीली दवाओं और मैच फिक्सिंग...

नई दिल्ली। BCCI ने युवा क्रिकेटरों के लिए एक नई पहली की शुरुआत की है. दरअसल, बीसीसीआई अब युवा क्रिकेटरों में ड्रग्स, सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग को लेकर जागरूकता पैदा करेगी. इसकी जिम्मेदारी बोर्ड ने नई जूनियर क्रिकेट चयनसमिति को सौंपी है. बीसीसीआई की अगली वार्षिक आम बैठक में जूनियर चयनसमिति की घोषणा की जाएगी.

बीसीसीआई ने जूनियर क्रिकेट समिति में पांच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसके लिए अंतिम तारीख पांच सितंबर है. बीसीसीआई ने युवा क्रिकेटरों में मजबूत नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना अपनी प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक बताया है. इसमें सीनियर और पूर्व खिलाड़ियों के साथ बातचीत के जरिए ड्रग्स, सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग को लेकर जागरूकता पैदा करना शामिल है.

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'युवा खिलाड़ियों को बरगलाया जा सकता है और यहां तक कि अंडर-19 खिलाड़ियों के लिए भी बहुत पैसा और प्रसिद्धि दांव पर लगी होती है, इसलिए शिक्षा जल्दी शुरू होनी चाहिए.'

नया पैनल मौजूदा समिति की जगह लेगा, जिसमें एस शरथ (दक्षिण, अध्यक्ष), कृष्ण मोहन (उत्तर), राणादेब बोस (पूर्व), पथिक पटेल (पश्चिम) और हरविंदर सिंह सोढ़ी (मध्य) शामिल हैं.

इस समिति को सितंबर 2021 में नियुक्त किया गया था और अब इसका पांच साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है. मौजूदा समिति का अंतिम कार्य जूनियर ईरानी कप के लिए शेष भारत की अंडर-23 टीम का चयन करना होगा, जिसका मुकाबला सीके नायडू चैंपियन से होगा. नई समिति कोचिंग शिविरों और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए अंडर-22 तक की आयु वर्ग की टीमों का चयन करेगी. इसके साथ ही वह मजबूत प्रतिभा पूल तैयार करने में भी मदद करेगी. चयनकर्ता घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन भी करेंगे. इन पदों के लिए वही पूर्व खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने कम से कम 25 प्रथम श्रेणी के मैच खेले हों और कम से कम पांच साल पहले संन्यास ले लिया हो.

लड़ाई के लिए यशस्वी जायसवाल को मिली सजा, फर्नांडो पर भी चला ICC का हंटर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने लड़ाई के लिए सजा दी है. जायसवाल के साथ श्रीलंकाई गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर भी हंटर चला है. आईसीसी ने एक रिलीज जारी कर बताया कि कोलंबो में भारत-श्रीलंका टेस्ट के पहले दिन हुई घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 फीसद जुर्माना लगा है. साथ ही दोनों को 1-1 डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है.

रविवार (23 अगस्त) से शुरू हुए मुकाबले में जायसवाल के 45 रन पर आउट होने के बाद श्रीलंकाई गेंदबाज ने उन्हें सेंड ऑफ किया था. इससे दोनों के बीच बहस हुई और हल्की-फुल्की शारीरिक टक्कर भी देखने को मिली थी. घटना के बाद से ही दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना या बैन लगने का खतरा मंडरा रहा था. कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जायसवाल पर लाइफटाइम का भी बैन लग सकता है.

आईसीसी ने साफ कर दिया है कि किसी भी खिलाड़ी पर लाइफ टाइम का बैन नहीं लगा है. सिर्फ 25% मैच फीस काटी जाएगी. रिलीज में कहा गया कि दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के %खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता% के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते हुए पाया गया. यह नियम ÷किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क÷ से संबंधित है.

पिछले 24 महीनों में दोनों खिलाड़ियों का यह पहला उल्लंघन है. दोनों ही खिलाड़ियों ने अपना जुर्म कबूल किया और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के जरिए दी गई सजा को स्वीकार लिया है, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी.

टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने पहला दिन समाप्त होने तक 5 विकेट पर 300 रन बोर्ड पर लगा लिए थे. दूसरे दिन का खेल शुरू हुआ. टीम इंडिया का स्कोर आगे बढ़ा. बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल रुक गया है.

एशियाड टीम में चोटिल वेटलिफ्टर शामिल : पदकवीर लवप्रीत को जगह नहीं; टेनिस-जूडो-रोइंग में भारी कटौती पर रोष

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के दल में एक ऐसे वेटलिफ्टर को शामिल कर लिया गया है जो चोटिल है और इन खेलों के लिए तैयारियां ही नहीं कर रहा है। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाले ऋषिकांत सिंह वेटलिफ्टिंग टीम में शामिल इकलौते पुरुष लिफ्टर हैं। ऋषिकांत को ग्लासगो में ही चोट लग गई थी और डॉक्टरों ने उन्हें तीन माह के आराम की सलाह दी थी।

इसके बाद वह मोदीनगर में चल रहे कैंप में शामिल ही नहीं हुए, लेकिन साई की ओर से एशियाई खेलों के दल की समीक्षा में ऋषिकांत को टीम में शामिल कर लिया गया, लेकिन राष्ट्रीय शिविर में इन खेलों की तैयारियां कर रहे लिफ्टर लवप्रीत सिंह को बाहर कर दिया गया है। लवप्रीत ने भी सुपर हैवीवेट वर्ग में 400 किलो से ऊपर वजन उठाते हुए ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत जीता था। वह मई में गांधीनगर में हुई एशियाई चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से खेल मंत्रालय को मंजूरी के लिए 504 खिलाड़ियों का दल भेजा गया था, लेकिन मंत्रालय ने 492 खिलाड़ियों को मंजूरी दी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

की थी। भारत ने बैठक में दोहराया था कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के संबंधों के समग्र विकास के लिए जरूरी है। दोनों पक्षों ने लंबित मुद्दों को सुलझाने और एलएसी पर गलतफहमी या गलत आकलन की स्थिति से बचने के लिए मौजूदा तंत्रों का इस्तेमाल जारी रखने पर सहमति जताई थी।

31 आईपीएस अफसरों के तबादले : डीजी से एआईजी स्तर तक अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

वहीं आईपीएस जीपी सिंह को महानिदेशक प्रशिक्षण के साथ राज्य पुलिस अकादमी की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास से जुड़े कार्यों में यह पद अहम माना जाता है। तबादला आदेश में आईपीएस एसआरपी कल्लूरी को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही पुलिस विभाग से जुड़े निर्माण और अधोसंरचना संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी उनके पास होगी। 31 आईपीएस अधिकारियों के तबादले में पुलिस मुख्यालय स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। डीजी, आईजी, डीआईजी और एआईजी स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां मिलने से पुलिस प्रशासन के कामकाज में बदलाव देखने को मिलेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दोबारा दिल्ली मार्च करेगी : कहा- छात्रों पर दर्ज केस खत्म नहीं हुए, हमारे धैर्य को कमजोरी न समझें

सौरव दास ने कहा, लोकतंत्र तभी काम करता है जब सरकार में बैठे लोगों और उन्हें चुनने वालों के बीच निरंतर संवाद हो। जब दोनों के बीच संचार टूट जाता है, तो समस्याएं और संघर्ष पैदा होते हैं। वहीं, पार्टी ने सभी युवाओं, छात्रों, युवा संगठनों और छात्र संगठनों से 5 सितंबर को इंडिया गेट पर बड़ी संख्या में इकट्ठा होने और मार्च में शांतिपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

'चोर दरवाजे से आरक्षण खत्म करने की योजना', मल्लिकार्जुन खड़गे का मोदी सरकार पर बड़ा आरोप

मंत्रालय में 1.10 लाख पद खाली होने का भी दावा किया।

'सरकारी पद खाली रखकर आरक्षण का अवसर खत्म किया जा रहा' : खड़गे ने कहा कि मुद्दा केवल रोजगार का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी है। उनका आरोप है कि जब आरक्षित श्रेणी के सरकारी पद खाली रहते हैं तो एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्गों को मिलने वाला रोजगार का अवसर प्रभावित होता है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों यानी पीएसयू में स्थायी नौकरियों में कमी और ठेका कर्मचारियों की संख्या बढ़ने का भी मुद्दा उठाया। खड़गे के मुताबिक, पीएसयू में 5.1 लाख स्थायी नौकरियां खत्म हुई हैं, जबकि ठेका कर्मचारियों की हिस्सेदारी 19 फीसदी से बढ़कर 49 फीसदी हो गई है। खड़गे ने आरोप लगाया कि स्थायी सरकारी रोजगार को ठेके की नौकरियों में बदलने और पीएसयू को बेचने से आरक्षण के तहत मिलने वाली नौकरियों के अवसर भी कम होते हैं। उन्होंने इसे भाजपा की सामाजिक न्याय विरोधी नीति करार दिया।

संविधान बदले बिना आरक्षण खत्म करने का रास्ता- कांग्रेस अध्यक्ष : खड़गे ने कहा कि आरक्षण खत्म करने के लिए संविधान में बदलाव करना जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, आरक्षण के दायरे में आने वाली सरकारी नौकरियों की संख्या कम कर देना भी इसके प्रभाव को खत्म करने का एक तरीका हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान से मिले अधिकारों को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है।

रोजगार के मुद्दे पर भी मोदी सरकार से पूछे सवाल : कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पोस्ट में युवाओं की शिक्षा और रोजगार की स्थिति को लेकर भी केंद्र सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने नीति आयोग के अनुमान का हवाला देते हुए दावा किया कि 15 से 29 वर्ष की उम्र के 8.7 करोड़ युवा न तो शिक्षा ले रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी ट्रेनिंग से जुड़े हैं। उन्होंने जुलाई 2026 के पीएलएफएस आंकड़ों का हवाला देते हुए युवा बेरोजगारी दर 15.6 फीसदी और युवा महिलाओं में यह दर 19.5 फीसदी होने का दावा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछे तीन सवाल : खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीन सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि ग्रेजुएशन के बाद युवाओं के लिए पर्याप्त नौकरियां कहां हैं, हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे का क्या हुआ और भारत के जनसांख्यिकीय लाभ को जनसांख्यिकीय संकट में बदलने के लिए कौन जिम्मेदार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक, भर्ती में देरी, कौशल की कमी और गुणवत्तापूर्ण नौकरियों के अवसर घटने से युवाओं के भविष्य पर असर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा महंगी हो रही है और डिग्री हासिल करने के बाद भी युवाओं को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा है।

पड्डिकल और जुरेल के शतकों से भारत का धमाका, 503 रन बनाने के बाद श्रीलंका को दिए दो बड़े झटके

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, बारिश से प्रभावित मुकाबले में टीम इंडिया ने पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की और दिन की समाप्ति तक श्रीलंकाई टीम के 2 विकेट चटकाए. टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की. भारत ने 66 के स्कोर तक केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे. केएल राहुल 33 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जायसवाल ने 9 चौकों के साथ 45 रन बनाए. यहां से देवदत्त पड्डिकल ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जोड़े. गिल ने 50 रन बनाए. उनकी इस पारी में 6 चौके शामिल रहे. पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे; उन्होंने 15 गेंदों का ही सामना किया था, इस बीच कलाई की चोट के कारण पहले दिन मैदान से वापस लौटना पड़ा। इसके बाद रवींद्र जडेजा (43) ने पड्डिकल के साथ 74 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पड्डिकल 12 चौकों के साथ 117 रन बनाकर आउट हुए. मुकाबले के दूसरे दिन (सोमवार) बारिश के चलते खेल बार-बार रुका। इस बीच पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे और ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जुटाए.पंत 8 बाउंड्री के साथ 63 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जुरेल ने 11 बाउंड्री के साथ 115 रन की नाबाद पारी खेली. श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा ने 2-2 विकेट निकाले। इनके अलावा, लाहिरु कुमारा ने 1 विकेट चटकाया. दिन की समाप्ति तक श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 3 ओवरों का सामना किया और 2 विकेट गंवाकर सिर्फ 8 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा ने लाहिरु उडारा (1) को अपना शिकार बनाया, जिसके बाद मानव सुथार ने प्रभात जयसूर्या (2) को आउट किया। फिलहाल, श्रीलंकाई टीम भारत से 495 रन पीछे है. टीम इंडिया ने पहला टेस्ट मैच 165 रन से अपने नाम किया था, जिसके बाद सीरीज का यह अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है.

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की 1 सितंबर से शुरू होगी ई- केवायसी प्रक्रिया

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शनों एवं उनके रिकॉर्ड को अधिक प्रमाणिक, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के उद्देष्य से विद्युत उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी कराया जाएगा। यह प्रक्रिया 1 सितंबर से प्रारंभ होगी। बता दें कि राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं कबीरधाम जिलों में कुल लगभग 6.83 लाख बिजली कनेक्शन हैं। इनमें राजनांदगांव जिले के 2,94,638, मोहला-मानपुर-चौकी के 76,037, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के 108733 तथा कबीरधाम जिले के 2,03,931 बिजली कनेक्शन शामिल हैं।

इतने बड़े उपभोक्ता आधार के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया उपभोक्ता डेटा को प्रमाणिक एवं अद्यतन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वैध उपभोक्ता की पहचान होगी सुनिश्चित

कंपनी के पब्लिसिटी आफिसर धर्मेंद्र शाह मंडावी ने बताया कि ई-केवाईसी के माध्यम से विद्युत कनेक्शन से संबंधित उपभोक्ता की पहचान का सत्यापन किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी कि विद्युत कनेक्शन जिस व्यक्ति के नाम पर दर्ज है। वह वास्तविक एवं वैध उपभोक्ता है तथा वर्तमान में कनेक्शन का उपयोग कौन कर रहा है। इस प्रक्रिया से विद्युत कंपनी को अपने उपभोक्ता रिकॉर्ड को व्यवस्थित एवं अद्यतन करने के साथ वास्तविक उपभोक्ताओं का प्रमाणिक डेटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी।

मृत उपभोक्ताओं के नाम पर दर्ज कनेक्शनों की भी होगी पहचान

कई बार उपभोक्ता की मृत्यु हो जाने के बाद भी विद्युत कनेक्शन उसके नाम पर दर्ज रह जाता है। ऐसे मामलों की पहचान ई-केवाईसी के माध्यम से की जा सकेगी। इससे वर्तमान उपयोगकर्ता की पहचान कर नियमानुसार उपभोक्ता के नाम में आवश्यक परिवर्तन एवं रिकॉर्ड को अद्यतन करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सकेगा। इसी तरह ऐसे विद्युत कनेक्शनों की भी पहचान करने में सहायता मिलेगी। जिनका उपयोग अनधिकृत अथवा अवैध रूप से किया जा रहा है या जिनमें उपभोक्ता की जानकारी लंबे समय से अद्यतन नहीं है। इससे विद्युत कंपनी को अनियमितताओं को चिन्हित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

इससे हर बिजली कनेक्शन की पहचान, चारों जिलों के 6.83 लाख कनेक्शनों का होगा सत्यापन
मृत एवं अनाधिकृत कनेक्शनों की भी होगी पहचान

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए तीन विकल्प

उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ई-केवाईसी के लिए तीन विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। उपभोक्ता ÷मोर बिजली मोबाइल ऐप÷ के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय में उपस्थित होकर अधिकृत कर्मचारियों के माध्यम से ई-केवाईसी कराया जा सकता है। तीसरे विकल्प के तहत मीटर रीडर उपभोक्ता के घर पहुंचकर मोबाइल एप के माध्यम से ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करेगा। ई-केवाईसी के दौरान उपभोक्ता की पहचान का सत्यापन आधार ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ओटीपी, फिंगरप्रिंट अथवा फेस ऑथेंटिकेशन से किया जा सकेगा।

ई-केवाईसी के लिए कोई शुल्क नहीं

विद्युत कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ई-केवाईसी की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क होगी। इसके लिए उपभोक्ता से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि ई-केवाईसी के नाम पर किसी अनधिकृत व्यक्ति को राशि न दें। यदि कोई व्यक्ति ई-केवाईसी के नाम पर पैसे की मांग करता है तो इसकी सूचना संबंधित विद्युत कार्यालय को दें। उपभोक्ता केवल अधिकृत माध्यमों से ही ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करें और किसी संदिग्ध लिंक या अनधिकृत ऑनलाइन माध्यम का उपयोग न करें।

पारदर्शी एवं प्रमाणिक विद्युत व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

ई-केवाईसी केवल पहचान सत्यापन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विद्युत कंपनी के उपभोक्ता डेटाबेस को सटीक, प्रमाणिक एवं अद्यतन बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। इससे वैध उपभोक्ताओं की पहचान सुनिश्चित होने के साथ-साथ मृत उपभोक्ताओं के नाम पर दर्ज कनेक्शनों, अनधिकृत उपयोग और अवैध विद्युत कनेक्शनों की पहचान करने में भी सहायता मिलेगी। विद्युत वितरण कंपनी ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 1 सितंबर 2026 से प्रारंभ होने वाली ई-केवाईसी प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग प्रदान करें और अपने विद्युत कनेक्शन का ई-केवाईसी अवश्य कराएं। उपभोक्ताओं के सहयोग से विद्युत व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, व्यवस्थित एवं उपभोक्ता-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के मूल निवासी आदिवासी समाज है - श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल

डोंगरगढ़ (दावा)। विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने सहसपुर में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना कर आदिवासी सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की। तथा क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का आश्वासन दिया।

समाज ने जल-जंगल-जमीन और सामाजिक विरासत को संजोकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है

सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मूल निवासी आदिवासी समाज है। आदिवासी समाज ने प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक विरासत को संजोकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित रखने और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम में पंचराम चंदेल, सुरेश सिन्हा, लाला राम वर्मा, शामसाय टांडेकर, युवराज सिंह कंवर सहित कांग्रेस कार्यकर्ता, पंचगण, महिलाएं एवं सामाजिक जन उपस्थित रहे।

नाबालिग वाहन चालकों को यातायात पुलिस की वाहन न चलाने की समझाईश

स्कूली विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अजय यादव द्वारा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति नाबालिग वाहन चालकों एवं स्कूली विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया।

उक्त अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा नाबालिग वाहन चालकों को वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी गई। उन्हें बताया गया कि निर्धारित आयु पूर्ण किए बिना एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस के अभाव में वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी गंभीर जोखिम उत्पन्न कर सकता है। नाबालिग अवस्था में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है तथा दुर्घटना होने की स्थिति में गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

यातायात नियमों के पालन की समझाइश

इस क्रम में स्कूली विद्यार्थियों के बीच यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन नहीं चलाने, यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा सड़क पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को समझाइश दी गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने माता-पिता, परिजनों एवं आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। साथ ही, नाबालिग अवस्था में वाहन चलाने से होने वाले संभावित सड़क हादसों एवं उनके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित यातायात व्यवस्था में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई।

यातायात पुलिस की पालकों से अपील

यातायात पुलिस द्वारा सभी पालकों से विशेष अपील की गई है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को दोपहिया अथवा अन्य वाहन चलाने के लिए न दें। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें निर्धारित आयु पूर्ण होने एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के पश्चात ही वाहन चलाने दें। यातायात पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें, यातायात नियमों का पालन करें तथा नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने से रोककर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग प्रदान करें। यातायात पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में नाबालिग वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किए जाने पर नियमानुसार मोटरयान अधिनियम के तहत लगातार कार्रवाई की जाएगी।

संगीत कला विश्वविद्यालय में 'साइबर जागृति अभियान' का आयोजन

खैरागढ़ (दावा)। राजकुमारी इंदिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के कैंपस-02 स्थित नरेंद्र देव वर्मा प्रेक्षागृह में साइबर अपराधों के प्रति विद्यार्थियों एवं स्टाफ को जागरूक करने के उद्देष्य से 'साइबर जागृति अभियान' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) के पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा, कुलसचिव वेंकटरमन गुडे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. देवमाइत मिंज एवं सहायक कुलसचिव विजय सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव : एसपी लक्ष्य शर्मा

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित एसपी लक्ष्य शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक ने जीवन को आसान बनाने के साथ कई साइबर चुनौतियां भी खड़ी की हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया और डिजिटल लेन-देन के दौरान सतर्क रहने तथा किसी भी अज्ञात लिंक, फर्जी कॉल या संदेहास्पद संदेशों के प्रति विशेष सावधानी बरतने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर ठगी से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।

डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के लिए छात्रों को दिए गए महत्वपूर्ण सुरक्षा टिप्स

साइबर सेल ने समझाए बचाव के व्यावहारिक तरीके

कार्यशाला में साइबर सेल के कमलेश ने साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों जैसे ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग और फिशिंग पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को मजबूत पासवर्ड रखने, ओटीपी किसी से साझा न करने तथा साइबर अपराध होने पर तुरंत हेल्पलाइन व पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम में एसडीओपी उषा रानी, एसडीओपी आशीष कुंजाम, साइबर सेल थाना प्रभारी सत्यम सिंह चौहान सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रबोध कुमार गुप्ता ने किया।

डी.एन.टी. पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेता हुए सम्मानित

मोहला (दावा)। स्थानीय डी.एन.टी. पब्लिक स्कूल, मोहला में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विविध रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं देशभक्ति प्रतियोगिताओं का गरिमामय आयोजन किया गया। नर्सरी से लेकर उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उत्सव के दौरान फैंसी ड्रेस, देशभक्ति कविता पाठ, क्रिएटिव फ्लैग मेकिंग, मॉडलिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, पोस्टर मेकिंग, भाषण, रंगोली, सुंदर हस्तलेखन (हैंडराइटिंग) एवं देशभक्ति गायन जैसी अनेक स्पर्धाएं आयोजित की गईं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

फैंसी ड्रेस, गायन और क्लासरूम डेकोरेशन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, प्राचार्य ने बढ़ाया उत्साह

प्रमुख विजेता व प्रतिभागी

देशभक्ति गायन में गगन कुमार कौशिक एवं तनिष्क कुमार भुआर्या ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। कक्षा सज्जा प्रतियोगिता में कक्षा 7वीं ने प्रथम, 9वीं ने द्वितीय तथा 3री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कक्षाओं को संजय जैन द्वारा 500-500 रुपये की नकद पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया गया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में श्रेणिका भुआर्या, अक्सा जहां, पूर्वी पैकरा, अयाज़ खान, रुद्राशीष कोमरे, खुशी पटेल, छायांक ठाकुर, विवेक कुमार, पल्लवी यादव, पूनम तुलावी एवं वंशिका नंदेश्वर सहित अनेक विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन कर पुरस्कार जीते। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती बीना तिवारी ने सभी विजेताओं व प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी पाठ्येतर गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता का सच्चा अर्थ अधिकारों की प्राप्ति के साथ-साथ अपने नागरिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना भी है।

श्रावणी पर पौधरोपण के संग बिखरी काव्य की हरियर-फरियर छटा

छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति की संगोष्ठी में साहित्यकारों ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ की लोक कला, संस्कृति व साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित 'छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति' द्वारा श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में गरिमामय साहित्यिक संगोष्ठी एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर निगम परिसर में रतनार एवं पारस पीपल के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. चेतन साहू रहे। जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी व अधिवक्ता शारदा तिवारी ने की। इस दौरान अतिथियों का स्वागत नीम पत्ती की माला पहनाकर और पारंपरिक गुरहा चीला खिलाकर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. साहू ने हरेली व नीम के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नीम वातावरण को शुद्ध करने के साथ जीवाणु-विषाणु से भी रक्षा करता है।

कवियों ने प्रस्तुत कीं मनमोहक रचनाएं

संगोष्ठी में कवियों ने प्रकृति, सावन और समसामयिक विषयों पर उत्कृष्ट रचना पाठ किया। राकेश इंदु भूषण ठाकुर ने कहा 'हरीतिमा में संवर कर तुम आती हो, मैं सावन हो जाता हूं' पढ़कर प्रकृति प्रेम व्यक्त किया। मानसिंह 'मौलिक' ने कहा 'प्रकृति संग नाचबो-गाबो, बर-पीपर नीम लगाबो/बरसा सुनाही मधुरम संगीत, अमरित रास रचाबो' के माध्यम से प्रकृति राग छेड़ा। पप्पू पौर्वात्य 'कलिहारी' ने कहा 'हरियर खेत ल देख के मनवा ह हरसाय/सावन के फुहार संग हमर गांव ह मुस्काय' से सावन की फुहारों को जीवंत किया। आत्माराम कोशा 'अमात्य' ने पौधरोपण के नाम पर दिखावे पर कटाक्ष करते हुए कहा– 'काटत हन रोज जंगल-पहाड़, सुने ल नइ मिले बघुवा के दहाड़... बिरिच्छ लगा के देखनी देखात हन, त कहां ले रहही हरियाली?' करिश्मा श्रीवास्तव ने कहा रामायण कालीन लव-कुश प्रसंग पर 'तेरे आंसू मेरे आंसू, बह जाएंगे मां कौशल्या के आंसू' की मार्मिक प्रस्तुति दी। पवन यादव 'पहुना' ने कहा 'बरखा की अल्हड़ बूंदे राग झिंझोटी ऐसी गाए/नीम की पत्ती झरती जाए, महंगाई जल्दी उतरती जाए' से महंगाई पर तीखा प्रहार किया। इसके अतिरिक्त समिति के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा 'अकाट्य, रौशन साहू 'मोखला, चुरामन 'चैतन्य' और आनंदराम सार्वा 'अनंत' ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम का संचालन पवन यादव 'पहुंना' ने और आभार प्रदर्शन संगठन सचिव पप्पू 'पौर्वात्य' कलिहारी ने किया।

रविवार को भी शिक्षा सेवा में जुटे शिक्षक : 40 जरूरतमंद बच्चों को दे रहे नि:शुल्क कोचिंग

मोहला (दावा)। रविवार का दिन जहां आमतौर पर लोग विश्राम और अवकाश के लिए चुनते हैं। वहीं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के गोटाटोला में शिक्षक समाज के जरूरतमंद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने में जुटे हैं।

अखिल भारतीय हल्बी-हल्बा आदिवासी समाज कर्मचारी प्रकोष्ठ से जुड़े समर्पित शिक्षक साथी अपने अवकाश के दिन निःशुल्क कोचिंग सेंटर चलाकर लगभग 40 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा और मार्गदर्शन दे रहे हैं। यह प्रेरणादायी पहल पिछले तीन वर्षों से निरंतर जारी है।

हल्बी-हल्बा समाज कर्मचारी प्रकोष्ठ गोटाटोला की सराहनीय पहल, 3 वर्षों से लगातार संवार रहे बच्चों का भविष्य

इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना तथा उनमें प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति आत्मविश्वास विकसित करना है। शिक्षक साथी नियमित जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने निजी समय का सदुपयोग कर बच्चों के भविष्य को सही दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

मार्गदर्शन से बदल रही बच्चों की दिशा

शिक्षकों का मानना है कि यदि ग्रामीण और जरूरतमंद बच्चों को सही समय पर मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो वे अपनी प्रतिभा के बल पर समाज व क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं। यह कोचिंग केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, उत्तरदायित्व और प्रतियोगी भावना को भी मजबूत कर रही है। कर्मचारी प्रकोष्ठ के इस निःस्वार्थ प्रयास की समाजभर में व्यापक सराहना हो रही है। प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि एक शिक्षक द्वारा समर्पित किया गया समय किसी भी बच्चे के जीवन की दिशा बदल सकता है और शिक्षा के माध्यम से समाज उत्थान का यह प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी है।

सड़क पर बैठे 12 मवेशियों को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, मची अफरा-तफरी

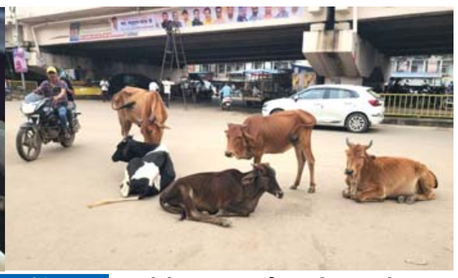

रेवाडीह राज इंपीरियल होटल के पास दर्दनाक हादसा; हाईवे पर बिखरे रहे शव, यातायात हुआ बाधित

राजनांदगांव (दावा)। नेशनल हाईवे पर बैठे मवेशियों के झुंड के बीच तेज रफ्तार ट्रक घुस जाने से दर्दनाक हादसा हो गया। बसंतपुर थाना क्षेत्र के रेवाडीह स्थित राज इंपीरियल होटल के पास रविवार रात हुए इस हादसे में करीब 12 मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर मवेशियों के शव बिखरे होने के कारण कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा।

सड़क पर बैठे थे मवेशियों के झुंड

जानकारी के मुताबिक, रविवार रात बड़ी संख्या में मवेशी सड़क पर बैठे हुए थे। इसी दौरान तेज गति से गुजर रहे ट्रक ने सड़क पर बैठे मवेशियों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में भी हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित अमला मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला गया। हादसे ने एक बार फिर शहर और आसपास के प्रमुख मार्गों पर खुले में घूमने वाले तथा सड़क पर बैठे मवेशियों की समस्या को सामने ला दिया है।

हादसे के बाद काऊ कैचर टीम पर उठे सवाल

घटना के बाद नेशनल हाईवे की काऊ कैचर टीम और नगर निगम की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर की प्रमुख सड़कों और व्यस्त मार्गों पर इन दिनों बड़ी संख्या में गौवंश और अन्य मवेशियों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। लोगों का आरोप है कि सड़क पर मवेशियों की मौजूदगी के बावजूद उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए लगातार और प्रभावी अभियान नहीं चलाया जा रहा है। रात के समय सड़क पर बैठे मवेशी वाहन चालकों को दूर से नजर नहीं आते, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है।

इन दिनों सड़कों पर रहता है गौवंश का जमावड़ा

स्थानीय लोगों के मुताबिक, इन दिनों शहर की कई सड़कों पर गौवंश का जमावड़ा आम नजर आ रहा है। कई जगह मवेशी सड़क के बीचों-बीच या सड़क किनारे बैठे रहते हैं। व्यस्त मार्गों पर भारी वाहनों और तेज रफ्तार यातायात के बीच इन मवेशियों की मौजूदगी कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। लोगों का कहना है कि सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण पहले भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया है। मवेशियों के लिए सुरक्षित शेल्टर, नियमित निगरानी और सड़क पर घूमने वाले पशुओं को हटाने की व्यवस्था को प्रभावी तरीके से लागू किए जाने की जरूरत बताई जा रही है।

नेशनल हाईवे में आवारा मवेशियों की मौजूदगी पर कलेक्टर सख्त

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश, हाईमास्ट लाइट व बैरिकेडिंग दुरुस्त करने का आदेश

कलेक्टर ने एनएचएआई को लिखा पत्र

राजनांदगांव (दावा)। पेंड्री के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से आधा दर्जन से अधिक मवेशियों के दुर्घटनाग्रस्त होने व उनकी दर्दनाक मौत की घटना को जिला प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया है। इस गंभीर लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताते हुए जिला कलेक्टर ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक को कड़ा पत्र जारी कर लापरवाह एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों पर जवाबदेही तय करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

मवेशी नियंत्रण दल की निष्क्रियता पर कड़ा रुख

कलेक्टर ने मवेशी नियंत्रण दल की कार्यप्रणाली और पर्यवेक्षण में बरती जा रही ढिलाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि शहर और आसपास नेशनल हाईवे से मवेशियों को हटाने के लिए गठित दल प्रभावी रूप से काम नहीं कर रहा है। 23-24 अगस्त की दरमियानी रात हाईवे पर हुई यह दुर्घटना मवेशी नियंत्रण व्यवस्था की घोर विफलता का प्रमाण है। उन्होंने रेखांकित किया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में पूर्व में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाने के बावजूद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न केवल सड़क हादसों को न्योता दे रही है, बल्कि इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति भी निर्मित हो सकती है।

अधिकारियों और दल के सदस्यों की मांगी जानकारी

प्रशासन ने एनएचएआई को निर्देशित किया है कि आवारा मवेशियों को हटाने वाले दल को 24 घंटे सक्रिय रखकर नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए तथा पूर्व आदेशों की अवहेलना करने वाली एजेंसियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। साथ ही कलेक्टर ने उत्तरदायी एजेंसी, संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों और दल के सदस्यों के नाम, पदनाम, मोबाइल नंबर और उन्हें सौंपे गए दायित्वों का संपूर्ण विवरण तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा है, ताकि प्रशासनिक स्तर पर सीधी कार्रवाई की जा सके।

प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा संकेतक लगाने के आदेश

हादसों पर पूर्ण विराम लगाने के लिए कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थापित हाई मास्ट लाइटों का तत्काल समुचित रखरखाव करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही शहर के समीप चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य स्थलों पर आवश्यक संकेतक (साइन बोर्ड), बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर और रात्रि सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य रूप से दुरुस्त करने के आदेश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस प्रकार के जानलेवा हादसों को पूरी तरह रोका जा सके।

महाकाल चौक में निकली भव्य महाकाल यात्रा, मधुसूदन-अभिषेक ने किया आत्मीय स्वागत

राजनांदगांव (दावा)। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर संस्कारधानी राजनांदगांव में आस्था और भक्ति का अनूठा उल्लास देखने को मिला। नगर के हृदय स्थल महाकाल चौक (मानव मंदिर चौक) से निकाली गई भव्य बाबा महाकाल यात्रा का खूबचंद पारख, सांसद संतोष पांडेय, महापौर मधुसूदन यादव एवं पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, नीलू शर्मा, पवन डागा, राजू डागा, अकरम कुरैशी, अतुल रायजादा ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

महाकाल यात्रा के चौक पर पहुंचते ही नेताओं ने पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ बाबा महाकाल के स्वरूप की पूजा-अर्चना और आरती की। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'जय श्री महाकाल' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने बाबा महाकाल के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया और संपूर्ण राजनांदगांव नगर की सुख-समृद्धि, अमन-चैन, शांति तथा जनकल्याण की मंगलकामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिवभक्त, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं धर्मप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे।

नियम विरुद्ध कीटनाशक बेचने वालों पर कृषि विभाग का शिकंजा, 122 दुकानों पर छापा

9 लाइसेंस निलंबित, 22 केंद्रों की बिक्री पर रोक और 1 की अनुज्ञप्ति निरस्त, 8 अमानक कीटनाशकों पर प्रतिबंध

राजनांदगांव (दावा)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा नकली व नियम विरुद्ध कीटनाशकों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने जिले में सघन जांच अभियान चलाया है। विभाग की विशेष टीमों ने जिले भर में 122 कीटनाशी विक्रय केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की है।

लाइसेंस निरस्त और अमानक दवाओं पर रोक

निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर विभाग ने 9 कीटनाशी अनुज्ञप्तियों (लाइसेंस) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही 22 केंद्रों पर कीटनाशकों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। जबकि नियमों की घोर अनदेखी करने पर 1 विक्रय केंद्र का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। कृषि विभाग ने गुणवत्ताहीन पाए गए 8 अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर भी रोक लगाते हुए संबंधित निर्माता कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

लाल बहादुर नगर व डोंगरगढ़ में मिली अनियमितताएं

उपसंचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न केंद्रों में औचक दबिश दी गई। जांच के दौरान लाल बहादुर नगर स्थित साहू कृषि केंद्र, अभिषेक कृषि केंद्र, गायत्री कृषि केंद्र तथा डोंगरगढ़ के देवांगन कृषि केंद्र में कीटनाशी अधिनियम और निर्धारित मापदंडों का खुला उल्लंघन पाया गया। संचालक आवश्यक व वैध दस्तावेजों के बिना ही कीटनाशकों का क्रय-विक्रय कर रहे थे। जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बिक्री पर रोक व लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की गई।

किसानों के हित में जारी रहेगी कार्रवाई

उपसंचालक कृषि ने स्पष्ट किया कि अन्नदाताओं के हितों की सुरक्षा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद व कीटनाशक उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए नियमित निगरानी व जांच की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना वैध दस्तावेज, अमानक दवाओं के विक्रय अथवा अवैध व्यापार में लिप्त किसी भी विक्रेता को बख्शा नहीं जाएगा और यह सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

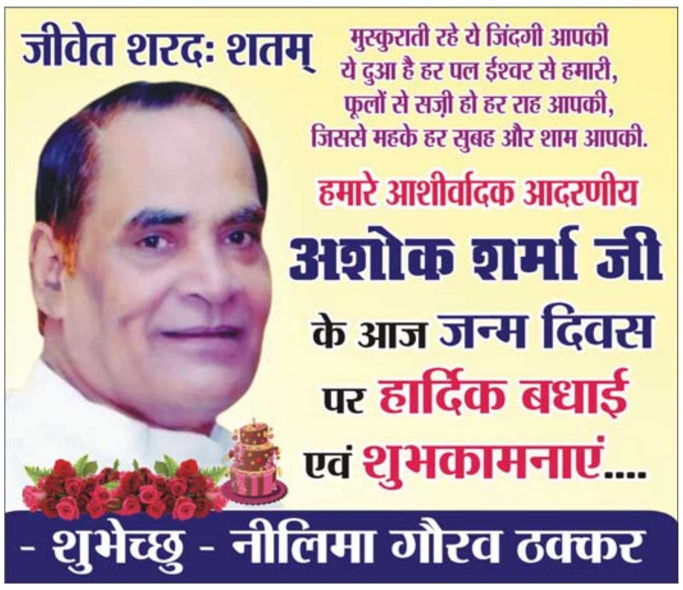

छत्तीसगढ़ पर्यटन बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े से सावधान

पर्यटन बोर्ड ने पर्यटकों से अपील की है कि फर्जी वेबसाइट, बुकिंग लिंक, मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया से रहें सतर्क

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं की बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े की शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। बोर्ड को ऐसी अनधिकृत वेबसाइटों और माध्यमों की जानकारी मिली है, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम पर फर्जी बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रहे हैं। ऐसे माध्यमों के जरिए पर्यटकों से ऑनलाइन भुगतान कराकर ठगी किए जाने की आशंका है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पर्यटक पर्यटन स्थलों, आवासीय सुविधाओं तथा अन्य पर्यटन सेवाओं की बुकिंग के लिए केवल छत्तीसगढ़ पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट tourism.cgstate.gov.in का ही उपयोग करें। किसी अन्य वेबसाइट, अनधिकृत बुकिंग लिंक, संदिग्ध मोबाइल नंबर, विज्ञापन अथवा सोशल मीडिया के ऐसे पेज पर भरोसा नहीं करें, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन की बुकिंग उपलब्ध कराने का दावा करते हों। टूरिज्म बोर्ड के अनुसार साइबर ठगी करने वाले तत्व छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम, प्रतीक चिह्न, पर्यटन स्थलों की तस्वीरों और अन्य प्रचार सामग्री का दुरुपयोग कर पर्यटकों को भ्रमित कर सकते हैं। ऐसे तत्व आकर्षक दरों पर कमरे, पर्यटन आवास, भ्रमण पैकेज अथवा अन्य सुविधाओं की बुकिंग का झांसा देकर पर्यटकों से ऑनलाइन भुगतान कराने का प्रयास कर सकते हैं। इसलिए किसी भी प्रकार का भुगतान करने से पहले संबंधित वेबसाइट और बुकिंग प्रक्रिया की प्रामाणिकता की जांच करना आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की अधिकृत वेबसाइट

पर्यटन मंडल ने पर्यटकों से अपील की है कि बुकिंग के लिए केवल अधिकृत पर्यटन प्रक्रिया का पालन करें और भुगतान भी उसी अधिकृत प्रक्रिया के माध्यम से करें। किसी व्यक्ति के निजी खाते, संदिग्ध भुगतान माध्यम अथवा अनजान मोबाइल नंबर पर राशि भेजने से बचें। विशेष रूप से कम कीमत में बुकिंग, तत्काल भुगतान का दबाव या आकर्षक पर्यटन पैकेज का प्रस्ताव मिलने पर अतिरिक्त सावधानी बरतें। आधिकारिक माध्यम से ही करें बुकिंग-पर्यटक छत्तीसगढ़ पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट tourism.cgstate.gov.in के माध्यम से ही बुकिंग करें। पर्यटन संबंधी जानकारी और बुकिंग के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के गढ़ कलेवा रायपुर स्थित सूचना केंद्र तथा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में स्थित सूचना केंद्रों से भी संपर्क किया जा सकता है। इन अधिकृत केंद्रों के माध्यम से पर्यटकों को पर्यटन संबंधी जानकारी के साथ उपलब्धता के अनुसार पर्यटन आवासों की बुकिंग की सुविधा भी प्राप्त की जा सकती है। संदेह होने पर हेल्पलाइन से करें पुष्टि-पर्यटकों को किसी वेबसाइट, बुकिंग लिंक, मोबाइल नंबर या सोशल मीडिया के पेज की प्रामाणिकता को लेकर संदेह होने पर भुगतान करने से पहले छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की हेल्पलाइन से जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी गई है।

शिवभक्ति से परिपूर्ण रहा महापौर मधुसूदन का चौथा सावन सोमवार

महापौर मधुसूदन यादव ने शिवार्चन को समर्पित किया दिन, कांवड़ियों का स्वागत कर द्वादश ज्योतिर्लिंग का किया अभिषेक

राजनांदगांव (दावा)। पुण्यदायी श्रावण मास के चौथे एवं अंतिम सोमवार को महापौर व पूर्व सांसद मधुसूदन यादव का दिन पूरी तरह शिवभक्ति में लीन रहा। अपने जन्मदिवस के व्यस्ततम और वृहद आयोजनों के उपरांत महापौर ने अपने दिन की शुरुआत शिवभक्तों और कांवड़ यात्रियों की सेवा के साथ की। प्रातःकाल स्थानीय नंदई चौक में वार्डवासियों द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में महापौर शामिल हुए। उन्होंने मोहारा (शिवनाथ नदी) से भगवान शिव के जलाभिषेक हेतु कांवड़ में पवित्र जल लेकर लौट रहे कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पाताल भैरवी में सपत्नीक किया द्वादश शिवलिंग अभिषेक

प्रदोष काल के पावन मुहूर्त में महापौर मधुसूदन यादव ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती करुणा यादव के साथ सिद्धपीठ श्री पाताल भैरवी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर परिसर में स्थापित द्वादश ज्योतिर्लिंगों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक कर पुण्यलाभ अर्जित किया तथा नगरवासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की मंगलकामना की। इसके पश्चात महापौर लखोली क्षेत्र पहुंचे। जहां उन्होंने बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा में सहभागिता की। उन्होंने नगर के सैकड़ों शिवभक्तों और धर्मप्रेमी नागरिकों के साथ मिलकर भगवान भोलेनाथ की आरती व शिवार्चन किया। इसके अलावा महापौर ने देर शाम एवं रात्रि में भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों व मंदिरों में सावन सोमवार के उपलक्ष्य में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में पहुंचकर शिवभक्ति के आयोजनों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता : सुरेंद्र सिंह बग्गा, अभिज्ञा कनौजे व समृद्ध गुप्ता बने चैंपियन

दिग्विजय स्टेडियम में 50 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाया दम, विजेताओं को मिले नकद पुरस्कार व ट्रॉफियां

राजनांदगांव (दावा)। जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में स्थानीय दिग्विजय स्टेडियम में जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का भव्य व सफल आयोजन संपन्न हुआ। स्पर्धा में जिले भर से आए 50 से अधिक टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न वर्गों में खेले गए खिताबी मुकाबले बेहद संघर्षपूर्ण और रोमांचक रहे। पुरुष एकल वर्ग में सुरेंद्र सिंह बग्गा ने एकतरफा मुकाबले में रणदीप सिंह भाटिया को सीधे सेटों में 11-06, 11-07, 14-12 से हराकर खिताब अपने नाम किया। महिला एकल वर्ग में अभिज्ञा कनौजे ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए अनन्या गोटेकर को 11-05, 11-06, 11-08 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी जीती। यूथ वर्ग में समृद्ध गुप्ता ने कड़े मुकाबले में वरुण साहू को 11-08, 11-09, 09-11, 11-07 से शिकस्त देकर पहला स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में विजेता–सुरेंद्र सिंह बग्गा, प्रथम उपविजेता–रणदीप सिंह भाटिया, द्वितीय उपविजेता–वीर सिंह भाटिया, महिला वर्ग में विजेता–अभिज्ञा कनौजे, उपविजेता–अनन्या गोटेकर एवं यूथ वर्ग में विजेता–समृद्ध गुप्ता, प्रथम उपविजेता–वरुण साहू, द्वितीय उपविजेता–भावेश रामटेके आदि रहे।

खिलाड़ियों को मिला नकद पुरस्कार व सम्मान

समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु श्रीमती प्रभा सेठिया की ओर से प्रत्येक वर्ग के विजेताओं (प्रथम स्थान) को 1,000 रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि भेंट की गई। संघ ने उनके इस सहयोग के प्रति आभार जताया।

प्रतिभाओं को मंच देना मुख्य उद्देश्य

जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बग्गा ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खेल प्रतिभाओं को सशक्त मंच प्रदान करना और टेबल टेनिस को बढ़ावा देना है। संघ के सचिव अरुण डुलानी ने प्रतियोगिता की सफलता पर सभी खिलाड़ियों, अभिभावकों व खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए भविष्य में भी नियमित रूप से खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. – 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com